दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

वन्य जीवों के लिए ब्रिज.....

अंतरिक्ष का स्कूल.....

वर्ष : 11 अंक : 198 लखनऊ, 05 जुलाई, शनिवार 2025 पृष्ठ : 08 मूल्य : 2.00 रुपए

भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप केंद्र

प्रधानमंत्री मोदी ने त्रिनिदाद एवं टोबैगो से दुनिया को दिया संदेश

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार (स्थानीय समय) को त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर को महाकुंभ से संगम और सरयू नदी का पवित्र जल और राम मंदिर की प्रतिकृति भेंट की। गुरुवार को त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित किया, भारतीय समुदाय के साहस की प्रशंसा की और प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर को 'बिहार की बेटी' कहा। उन्होंने राज्य के साथ उनके पैतृक संबंधों को याद किया और उनसे कैरेबियाई राष्ट्र में गंगा धारा में सरयू और महाकुंभ का जल चढ़ाने का अनुरोध किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत जल्द ही दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जाएगा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), सेमीकंडक्टर एवं क्वांटम कंप्यूटिंग संबंधी इसके मिशन विकास के नए इंजन बन रहे हैं। मोदी ने बृहस्पतिवार को प्रवासी भारतीयों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत आज अवसरों की भूमि है और इसके विकास एवं प्रगति का लाभ सर्वाधिक जरूरतमंदों तक पहुंच रहा है।

उन्होंने कहा, नये भारत के लिए आकाश भी सीमा नहीं है। प्रधानमंत्री पांच देशों के अपने दौरे के दूसरे चरण में दो दिवसीय यात्रा के तहत बृहस्पतिवार को त्रिनिदाद एवं टोबैगो पहुंचे। यह 1999 के बाद से किसी भारतीय प्रधानमंत्री की इस कैरेबियाई द्वीप राष्ट्र की पहली द्विपक्षीय यात्रा है। त्रिनिदाद एवं टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर, उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों, सांसदों और कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों सहित 4,000 से अधिक लोग इस कार्यक्रम

में शामिल हुए।

मोदी ने अपने संबोधन के दौरान त्रिनिदाद एवं टोबैगो में रह रहे भारतीय समुदाय की प्रशंसा करते हुए कहा, उन्होंने अपनी धरती छोड़ दी लेकिन अपनी आत्मा नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा, उन्होंने गंगा और यमुना को पीछे छोड़ दिया लेकिन अपने दिलों में रामायण को ले गए। उन्होंने अपनी मिट्टी छोड़ी लेकिन अपनी आत्मा नहीं। वे सिर्फ प्रवासी नहीं थे। वे एक शाश्वत सभ्यता के संदेशवाहक थे।

मोदी ने कहा कि वह अयोध्या स्थित राम मंदिर की प्रतिकृति और सरयू नदी का कुछ जल लेकर आए हैं। उन्होंने कहा, आप सभी जानते हैं कि इस साल की शुरूआत में दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक समागम महाकुंभ हुआ था। मुझे महाकुंभ का जल भी अपने साथ लाने का सौभाग्य मिला।

उन्होंने कहा, मैं कमला जी (प्रधानमंत्री) से अनुरोध करता हूं कि वह सरयू नदी और महाकुंभ के पवित्र जल को यहां गंगा धारा में अर्पित करें। कामना है कि यह पवित्र जल यहां के लोगों के जीवन में खुशहाली लाए। मोदी ने कहा कि भारत गिरमिटिया समुदाय का एक व्यापक डेटाबेस बनाने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। गिरमिटिया ब्रिटिश शासन के दौरान भारत से लाए गए बंधुआ मजदूर थे जिन्हें फिजी, दक्षिण अफ्रीका, मॉरीशस और कैरेबियाई देशों के बागानों में काम करने के लिए लाया गया था।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन और इसके विकास पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, भारत दुनिया की सबसे तेजी से विकास करती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। हम जल्द ही दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जाएंगे। भारत के विकास और प्रगति का लाभ सर्वाधिक जरूरतमंद लोगों तक पहुंच रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने दिखाया है कि गरीबों को सशक्त बनाकर गरीबी को हराया जा सकता है और करोड़ों लोगों में पहली बार यह विश्वास पैदा हुआ है कि देश को गरीबी से मुक्त किया जा सकता है।

मोदी ने कहा कि भारत के विकास को उसके नवोन्मेषी और ऊर्जावान युवा गति दे रहे हैं। उन्होंने कहा, भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप केंद्र है। इनमें से लगभग आधे स्टार्टअप में निदेशक के रूप में महिलाएं हैं। लगभग 120 स्टार्टअप को यूनिकॉर्न का दर्जा मिला है। उन्होंने कहा, एआई, सेमीकंडक्टर और क्वांटम कंप्यूटिंग के लिए राष्ट्रीय मिशन विकास के नए इंजन बन रहे हैं। नवोन्मेष एक तरह से जन आंदोलन बन रहा है।

योगी आदित्यनाथ ने स्वामी विवेकानंद को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

संवाददाता/ अमन लेखनी समाचार

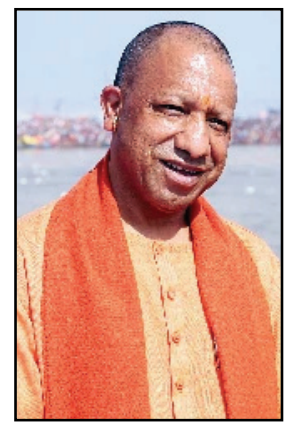

लखनऊ, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उन्हें वेदांत के प्रकाश से सनातन संस्कृति को वैश्विक पटल पर स्थापित करने का श्रेय दिया।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, चुनौती जितनी बड़ी होगी, जीत उतनी ही शानदार होगी। सभ्यता, संस्कार और स्वाभिमान के उद्घोष- गर्व से कहो हम हिन्दू हैं के द्वारा सोए हुए भारत को जागृत करने वाले युवा संन्यासी, राष्ट्रऋषि स्वामी विवेकानंद जी को उनकी पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि! उन्होंने कहा, आपने (स्वामी विवेकानंद ने) वेदांत, सेवा और आत्मबल के आलोक से सनातन संस्कृति को विश्वमंच पर प्रतिष्ठित किया। राष्ट्रनिर्माण की आपकी दृष्टि और उठो, जागो का मंत्र, युगों तक युवा भारत का पथप्रदर्शक बना रहेगा। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक समेत कई नेताओं ने भी शुक्रवार को विवेकानंद को याद किया। महान आध्यात्मिक नेता, दार्शनिक और विचारक स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में हुआ था और चार जुलाई 1902 को उनका निधन हो गया था। उन्हें 1893 में अमेरिका के शिकागो में आयोजित विश्व धर्म संसद में अपने अविस्मरणीय संबोधन के लिए याद किया जाता है जहां उन्होंने भारत की संस्कृति और परंपरा को मजबूत छवि के साथ दुनिया के सामने पेश किया था।

मौसम

अधिकतम तापमान 42.c

न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 82,530.74

निफ्टी 25,062.10

संक्षिप्त समाचार

गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने अलग-अलग जगहों से 12 अपराधियों को गिरफ्तार किया

संवाददाता/ अमन लेखनी समाचार

गौतमबुद्ध नगर , गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने जिले में अपराधियों के खिलाफ व्यापक स्तर पर कार्रवाई करते हुए अलग-अलग जगहों से 12 लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ईसना थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार को रातभर यह कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा, गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान धर्मेंद्र, सचिन, दीपक कुमार, आदर्श राजा, सैफ खान, लक्ष्मण, इकरार, अकरम, फरमान, सुनील कुमार, प्रवीण और नीरज के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों के पास से अवैध हथियार, अवैध शराब और मादक पदार्थ जब्त किए गए और सभी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की प्रासंगिक धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने सिविल लाइंस में अपने कार्यालय का उद्घाटन किया

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को सिविल लाइंस इलाके में राज निवास मार्ग पर अपने नए कैंप कार्यालय जन सेवा सदन का उद्घाटन किया। लोक निर्माण विभाग ने गुप्ता को एक ही मार्ग पर दो बंगले आवंटित किए हैं जिनमें से एक उनका आवास होगा और दूसरा उनका कार्यालय होगा। दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि जन सेवा सदन में मुख्यमंत्री जनसुनवाई करेंगी। मिश्रा ने यह भी दावा किया कि यह पहली बार है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री का कार्यालय जनता के लिए खोला जा रहा है। कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर हवन किया गया जिसमें गुप्ता और उनका परिवार शामिल हुआ।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में सोशल मीडिया का दुरुपयोग फैशन बन गया है: अदालत

संवाददाता/ अमन लेखनी समाचार

लखनऊ, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री और भारतीय सेना के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट करने के आरोपी व्यक्ति की जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा है कि लोगों के कुछ समूहों के बीच अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में सोशल मीडिया का दुरुपयोग करना एक फैशन बन गया है। न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल ने बुधवार को अशरफ खान नाम के व्यक्ति की जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा कि संविधान के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी है, लेकिन यह इस हद तक नहीं है कि कोई उच्च गणमान्य व्यक्तियों का अपमान करे और नागरिकों के बीच सौहार्द बिगाड़े। अदालत ने कहा कि उच्च गणमान्य व्यक्तियों के खिलाफ निराधार आरोप लगाकर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में सोशल मीडिया का दुरुपयोग करना कुछ लोगों के समूहों के बीच एक फैशन बन गया है। ऐसे पोस्ट से सौहार्द बिगड़ता है और लोगों के बीच घृणा पैदा होती है। आरोपी अशरफ खान उर्फ निसरत के खिलाफ हाथरस जिले के ससनी पुलिस थाना में बीएनएस की धारा 152 (भारत की संप्रभुता और अखंडता को खतरे में डालने वाला कृत्य) और 197 (राष्ट्रीय एकता को नुकसान पहुंचाने वाले आरोप और दावे) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

ऑपरेशन सिंदूर स्वराज की रक्षा के लिए प्रतिबद्धता का बेहतरीन उदाहरण, पुणे में बोले अमित शाह

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि भारत के सशस्त्र बल और नेतृत्व स्वराज या देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान यह बहुत अच्छे ढंग से प्रदर्शित हुआ। पुणे में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में मराठा राजनेता और जनरल पेशवा बाजीराव प्रथम की घुड़सवार प्रतिमा के अनावरण के बाद बोलते हुए, भाजपा नेता ने यह भी कहा कि जब भी वह नकारात्मक विचारों से ग्रस्त होते हैं, तो उन्हें छत्रपति शिवाजी महाराज और बाजीराव की याद आती है।

शाह ने कहा कि एनडीए बाजीराव के स्मारक के लिए सबसे उपयुक्त स्थान है क्योंकि यह एक ऐसा संस्थान है जहां सैन्य नेतृत्व को प्रशिक्षित किया जाता है। शाह ने कहा कि पुणे की धरती स्वराज के संस्कार का उद्गम स्थान है। 17वीं शताब्दी में यहीं से स्वराज का आलेख देशभर में पहुंचा। जब अंग्रेजों के सामने फिर से स्वराज के लिए लड़ने का समय आया तो सबसे पहले सिंह गर्जना तिलक महाराज ने की झ

स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है। एक व्यक्ति अपने जीवन में अपने देश के लिए कितना कर सकता है, इसका उदाहरण भी महाराष्ट्र की पुण्यभूमि से ही वीर सावरकर जी ने प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि तीनों सेनाओं के प्रमुख जहाँ से अभ्यास करके निकलते हैं, उस नेशनल डिफेंस अकादमी में श्रीमंत बाजीराव की मूर्ति लगने से जो प्रेरणा मिलेगी, उससे भारत की सीमाओं को कोई छू नहीं पाएगा। शाह ने कहा कि युद्ध की कला के कुछ नियम कभी कालबा नहीं होते...युद्ध में व्यूह रचना का महत्त्व, त्वरा का महत्त्व, समर्पण का भाव, देशभक्ति का भाव और बलिदान का भाव...यही सेनाओं को विजय दिलाते हैं, बस हथियार बदलते रहते हैं...और इन सभी गुणों का सबसे उत्कृष्ट उदाहरण 500 वर्षों के भारतीय इतिहास में केवल श्रीमंत बाजीराव पेशवा में ही मिलता है। अमित शाह ने कहा कि जब पूरा दक्षिण भारत आदिलशाही, कुतुबशाही, निजामशाही और इमादशाही से पीड़ित था और उत्तर भारत मुगलों के अधीन था...ऐसे समय में एक 12 साल के बालक ने देश को स्वतंत्र कराने और हिन्दवी स्वराज की स्थापना का संकल्प लिया...शिवाजी महाराज जी की यह वीरता अकल्पनीय है।

श्रीकृष्ण जन्म भूमि मामले में हिंदू पक्ष को बड़ा झटका

शाही ईदगाह को विवादित ढांचा बताने वाली याचिका खारिज

संवाददाता/ अमन लेखनी समाचार

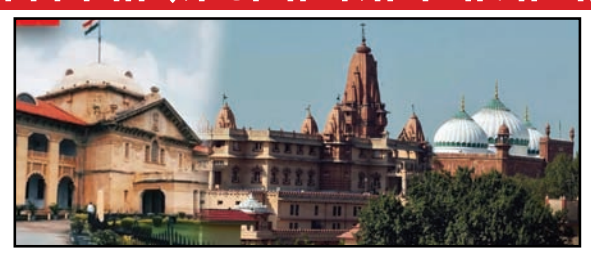

प्रयागराज, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कृष्ण जन्मभूमि मामले में भविष्य की सभी कार्यवाहियों में शाही ईदगाह मस्जिद को ₹विवादित संरचना₹ के रूप में संदर्भित करने के लिए हिंदू पक्ष द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया। अदालत ने शाही ईदगाह मस्जिद को ₹विवादित संरचना₹ घोषित करने के हिंदू पक्ष के अनुरोध पर अपना फैसला सुनाया। यह अनुरोध करने वाले आवेदन ए-44 को खारिज कर दिया गया। न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की अगुवाई वाली पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि आवेदन को इस स्तर पर खारिज किया जा रहा है।

सूट नंबर 13 में याचिकाकर्ता, एडवोकेट महेंद्र प्रताप सिंह ने शाही मस्जिद को विवादित संरचना घोषित करने के लिए प्रार्थना प्रस्तुत की थी। आवेदन ए-44 के माध्यम से याचिकाकर्ता ने अदालत से अनुरोध किया था कि वह अदालत के स्टेनोग्राफर को मूल मामले में भविष्य की सभी कार्यवाही के दौरान ₹शाही ईदगाह मस्जिद₹ के बजाय ₹विवादित संरचना₹ शब्द का उपयोग करने का निर्देश दे। हालांकि, मुस्लिम पक्ष ने इस आवेदन पर लिखित आपत्ति दर्ज की। अदालत द्वारा आवेदन को खारिज करना मुस्लिम पक्ष के लिए एक बड़ी राहत के रूप में आया है। इस बीच, हिंदू पक्ष की ओर से दायर 18 याचिकाओं पर सुनवाई अभी भी जारी है। इस मामले की सुनवाई फिलहाल जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्रा की अगुवाई वाली सिंगल जज बेंच कर रही है। यह विवाद मथुरा में शाही ईदगाह मस्जिद से जुड़ा है, जो मुगल बादशाह औरंगजेब के समय की है। आरोप है कि मस्जिद का निर्माण भगवान कृष्ण के जन्मस्थान पर स्थित मंदिर को तोड़कर किया गया था।

भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा के पिता सौ साल के हुए, पैतृक गांव में मनाया गया जश्न

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के पिता नारायण लाल नड्डा के 100वें जन्मदिन पर उनके पैतृक गांव विजयपुर में बृहस्पतिवार को जश्न मनाया गया। नारायण लाल नड्डा प्रख्यात शिक्षाविद रहे हैं। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला, भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं समेत अन्य लोग नारायण लाल नड्डा को बधाई देने के लिए विजयपुर पहुंचे। नड्डा के आवास पर आयोजित समारोह में शामिल हुए शुक्ला ने कहा कि नारायण लाल नड्डा का जीवन अनुभव और मूल्यों का एक उल्लेखनीय उदाहरण है।

गुणवत्ता में सुधार के लिए सभी विश्वविद्यालयों को एक साथ लाया जाएगा : उप्र की राज्यपाल

संवाददाता/ अमन लेखनी समाचार

लखनऊ, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बृहस्पतिवार को कहा कि शैक्षणिक अनुभवों का आदान-प्रदान करने और समग्र गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए राजभवन के माध्यम से सभी राज्य विश्वविद्यालयों को एक साथ लाया जाएगा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्य के विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति पटेल ने यह बात उस समय कही, जब प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के एक प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन में उनसे मुलाकात की। राजभवन द्वारा जारी बयान के अनुसार, राज्यपाल ने विश्वविद्यालय को अपने पहले राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) मूल्यांकन में ए ग्रेड मिलने पर आभार व्यक्त करने आये प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। बयान के अनुसार, बैठक के दौरान राज्यपाल और विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों ने प्रत्यायन की तैयारियों, अपने व्यक्तिगत अनुभवों, अपने परिवारों पर पड़ने वाले प्रभाव, सामने आने वाली चुनौतियों, प्राप्त लाभों और भविष्य की रणनीतियों के बारे में विस्तृत चर्चा की। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने बताया कि इस प्रक्रिया से उन्हें न केवल संस्थान को बेहतर बनाने में मदद मिली, बल्कि शैक्षणिक गुणवत्ता को मापने के तरीके के बारे में उनकी समझ का विस्तार भी हुआ है।

मैं विवेकानंद की हिंदू धर्म की परिभाषा में विश्वास करती हूं : ममता बनर्जी

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

कोलकाता, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि वह विवेकानंद की हिंदू धर्म की उस परिमें विश्वास करती हैं, जो मानवता को हर चीज से ऊपर रखती है।

विवेकानंद को एक संत-देशभक्त बताते हुए बनर्जी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि स्वामीजी ने जो सार्वभौमिक भाईचारे और शांति का संदेश दिया, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है। स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में एक संपन्न परिवार में हुआ था। चार जुलाई 1902 को उनका निधन हो गया था।

बनर्जी ने कहा, स्वामीजी जिस हिंदू धर्म में विश्वास करते थे, मैं भी उसी में विश्वास करती हूं और वह धर्म कहता है कि मानवता सबसे महान है।

स्वामी विवेकानंद के आदर्शों से प्रेरित होकर मैं चाहती हूं कि बंगाल और देश के लोग, चाहे वे किसी भी धर्म, जाति या वर्ग के हों, एक-दूसरे का सम्मान और प्रेम करें। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि उनकी सरकार ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि विवेकानंद और उनकी शिष्या सिस्टर निवेदिता के आवास क्रमशः रामकृष्ण मिशन और रामकृष्ण शारदा मिशन को सौंपे जाएं। विवेकानंद ने 1897 में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की थी। रामकृष्ण शारदा मिशन, रामकृष्ण मठ की तर्ज पर एक महिला साध्वी संगठन है, जिसकी स्थापना 1960 में की गई थी। बनर्जी ने कहा कि राज्य सरकार स्वामीजी के आवास पर संग्रहालय के रखरखाव के लिए वार्षिक अनुदान दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई पीढ़ी के बीच स्वामीजी के आदर्शों के और अधिक प्रसार के लिए राज्य सरकार ने उनके जन्मदिन 23 जनवरी को विवेक चेतना उत्सव का आयोजन किया। बनर्जी ने बताया कि युवाओं के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं का नाम स्वामीजी के नाम पर रखा गया है। उन्होंने कहा, हमने साल्ट लेक स्टेडियम का नाम बदलकर विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन कर दिया है।

उत्तराखंड में भारी बारिश का प्रकोप...

झील में डूबने से भारतीय वायुसेना के दो जवान, दोस्तों संग बना रहे थे नैनीताल में छुट्टियां

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, बारिश अपना सबसे ज्यादा कहर पहाड़ों पर बरपा रही है। पहाड़ों पर मौसम को कोई भी ठिकाना नहीं है। भारतीय मौसम विभाग की भविष्यवाणियों से ज्यादा बारिश कहर मचा रही है। नदिया उफान पर है और झीलों का पानी शहरों में घुस रहा है। इसी बीच एक दर्दनाक खबर सामने आयी है। उत्तराखंड में भारी बारिश के कारण भीमताल की एक झील में डूबने के कारण भारतीय वायुसेना के दो जवानों की मौत हो गई। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। क्षेत्राधिकारी प्रमोद शाह ने बताया कि पंजाब में पठानकोट के मूल निवासी प्रिंस यादव (22) और बिहार में मुजफ्फरपुर के मूल निवासी साहिल कुमार (23) चार महिलाओं समेत आठ भारतीय वायुसेना कर्मियों के उस समूह में शामिल थे जो नैनीताल में

छुट्टियां मनाने गया था।

उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों ने पुलिस के साथ मिलकर बचाव अभियान चलाया तथा करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद यादव और कुमार के शवों को झील से बाहर निकाला गया। राज्य में हो रही भारी बारिश ने रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित किया है और राज्य भर में सौ से अधिक सड़कें बंद हो गई हैं जिससे चारधाम यात्रा बाधित हुई है और उत्तरकाशी जिले के कुछ गांवों में खाद्यान्न की कमी हो गई है। सिलाई मोड़ पर निर्माण श्रमिकों के आश्रय स्थल भारी भूस्खलन की चपेट में आने के बाद पिछले पांच दिनों से यमुनोत्री जाने वाला राजमार्ग अवरुद्ध है। भूस्खलन के कारण नौ लोग लापता हो गए हैं और सड़क का 12 मीटर हिस्सा बह गया है।

अधिकारियों ने बताया कि सोनप्रयाग और गौरीकुंड के बीच भूस्खलन के मलबे के कारण केदारनाथ जाने वाला मार्ग भी अवरुद्ध है जिससे दोनों बिंदुओं के बीच आवाजाही असंभव हो गई है। उन्होंने कहा कि उन्हें फिर से खोलने के प्रयास जारी हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बात की और रुद्रप्रयाग जिले में केदारनाथ धाम सहित आपदा के लिहाज से राज्य के संवेदनशील जिलों की स्थिति का आकलन किया।

धामी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जी ने दूरभाष के माध्यम से श्री केदारनाथ धाम सहित राज्य के आपदा की दृष्टि से विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में हो रही अतिवृष्टि की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली।

संक्षेप

जाति विशेष पर टिप्पणी करने वाला गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। शुक्रवार को सोशल मीडिया पर जाति विशेष पर अश्लील पोस्ट अपलोड करने के आरोप में एक युवक को रहीमाबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा है। पुलिस के मुताबिक थाना क्षेत्र के रसूलपुर गांव निवासी रमाकांत ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर एक पोस्ट डाली थी। पोस्ट में इसने एक जाति विशेष पर टिप्पणी की थी। मामला संज्ञान में आने पर इसकी शिकायत की गई थी। जिसके आधार पर पुलिस टीम ने रमाकांत को पकड़ कर जेल भेज दिया है।

फैक्ट्री के गार्ड और इंचार्ज की गुंडागर्दी, ट्रक चालक को लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटा

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज कस्बे में स्थित यूपीएल फैक्ट्री में मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है फैक्ट्री में माल उतारने के बाद वापस लौट रहे ट्रक चालक अजय कुमार तिवारी के साथ फैक्ट्री के गार्ड और इंचार्ज सहित करीब 5 से 6 लोगों ने बेरहमी से मारपीट की पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें चालक को पकड़कर पीटे जाने की तस्वीरें साफ देखी जा सकती हैं प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार चालक अजय कुमार तिवारी फैक्ट्री में माल सप्लाई करके जैसे ही बाहर निकला, फैक्ट्री के गार्ड और इंचार्ज ने किसी बात को लेकर उसे रोक लिया देखते ही देखते वहां मौजूद करीब आधा दर्जन लोगों ने उसे लाठी-डंडों से पीटना शुरू कर दिया वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि कुछ लोग अजय को पकड़े हुए हैं, जबकि बाकी लोग उस पर लगातार हमला कर रहे हैं।स्थानीय लोगों ने बताया यह कोई पहली बार नहीं है जब यूपीएल फैक्ट्री के कर्मचारियों पर इस तरह के आरोप लगे हैं स्थानीय नागरिकों का कहना है कि फैक्ट्री के गार्ड और इंचार्ज का रवैया पहले से ही काफी बदसलूकी भरा रहा है आए दिन ड्राइवरों और स्थानीय लोगों के साथ उनके द्वारा बदतमीजी और मारपीट की घटनाएं सामने आती रही हैं।ट्रक चालक के साथ मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद क्षेत्रीय लोगों और ट्रक यूनियन में भारी आक्रोश देखा जा रहा है स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।घटना के बाद अब तक फैक्ट्री प्रबंधन या स्थानीय प्रशासन की ओर से कोई औपचारिक बयान सामने नहीं आया है, जिससे लोगों में नाराजगी और बढ़ रही है।

ट्रक चालक के साथ हुई मारपीट का सोशल मीडिया में खूब हुआ वीडियो वायरल.....

सवाल यह भी उठ रहे हैं कि आखिर कैसे एक निजी फैक्ट्री में इस तरह की मनमानी और हिंसा को खुली छूट दी जा रही है।ट्रक चालक अजय कुमार तिवारी के साथ हुई यह बर्बरता न केवल कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है, बल्कि यह भी दशार्ती है कि कैसे कुछ निजी संस्थानों में अनुशासन के नाम पर गुंडागर्दी को बढ़ावा दिया जा रहा है अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है और दोषियों को कब तक सजा मिलती है।

वही मोहनलालगंज थाना प्रभारी दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित ट्रक चालक द्वारा दी गई तहरीर पर हल्का दरोगा को जांच के लिए आदेशित किया है। जांच के बाद दोषियों के खिलाफ विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

10 महीने में पैसा डबल! ईओडब्ल्यू के हत्थे चढ़ा 12 वर्ष से फरार ठगी का आरोपी, यूपी में कर रहा था प्रॉपर्टी डीलिंग

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) ने निवेशकों को दस माह में रकम दोगुणा करने का झांसा देकर लाखों की ठगी करने वाले गिरोह के सक्रिय सदस्य अनिल कुमार तिवारी उर्फ डाक्टर को गिरफ्तार किया है। वह आनलाइन कंपनी के विरुद्ध वर्ष 2013 में उन्नाव में मुकदमा दर्ज होने के बाद फरार हो गया था। लगभग 12 वर्षों से उसकी तलाश की जा रही थी। आरोपित अनिल कुमार ने लखनऊ के विकासनगर स्थित अपना फ्लैट बेच दिया था और चिनहट क्षेत्र में रहने लगा था। वह प्रापर्टी डीलिंग का काम करता था। ईओडब्ल्यू के अधिकारियों के अनुसार अनिल कुमार को दाखिला उन्नाव कोतवाली में कराया गया है। उसे शनिवार को स्थानीय कोर्ट में पेश किया जाएगा। बेंगलुरु की आनलाइन मार्केटिंग कंपनी यूनी-पे-टू-यू ने वर्ष 2009 में आकर्षक योजनाओं का झांसा देकर निवेश कराया था। कंपनी का मुख्यालय बेंगलुरु में था, जिसकी एक शाखा उन्नाव में भी खोली गई थी। कंपनी ने निवेश की गई को 10 माह में दोगुणा करने व फिक्स डिपाजिट पर अधिक ब्याज देने का झांसा देकर एजेंटों के माध्यम से हजारों निवेशकों को अपने जाल में फंसाया था। बाद में कंपनी ने अचानक अपना कार्यालय बंद कर दिया था और निवेशकों की रकम हड़प ली थी। आरोपित अनिल कुमार भी कंपनी का सक्रिय सदस्य था। कंपनी के भाग निकलने के बाद निवेशकों ने उन्नाव कोतवाली में वर्ष 2013 धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था। शासन ने उसी वर्ष मामले की जांच ईओडब्ल्यू को सौंप दी थी। ईओडब्ल्यू के अनुसार मामले में कुल नौ आरोपित हैं, जिनमें छह को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है।

माजयुमो मंडल अध्यक्ष ने किसानों की समस्याओं को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

एसडीएम को ज्ञापन सौंपते मंडल अध्यक्ष

लखनऊ। माइनरों नहरों में सील्ड जमा होने व पानी ना आने से फसलों की सिंचाई प्रभावित हो रही है मलिहाबाद क्षेत्र के अटौरा, खड़ता,दतली, पहाड़पुर, रामपुर बस्ती, बिराहिमपुर व अन्य गांवों से निकली नहर में सिंचित जमीन पड़ती है। और इस समय नहर में अधिक सील्ड व खरपतवार जंगल झाड़ी जमा हो जाने के कारण काकोरी माइनर से समुचित पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। और बारिश के समय पर्याप्त मात्रा में बारिश न होने के कारण किसानों की धान की रोपाई नही हो पा रही है अगर जल्द नहरों में पानी नहीं छोड़ा गया तो किसानों की लगी कुछ धान की फसल और रोपाई के लिए तैयार की बेढ़ पूरी तरह बर्बाद हो जाएगी। काकोरी से निकली माइनर नहरों में पानी की समस्या को लेकर शुक्रवार को भाजयुमो मंडल अध्यक्ष विनय प्रताप सिंह ने एसडीएम कार्यालय पहुंच किसानों की समस्याओं को लेकर उपजिलाधिकारी अंकित कुमार को एक ज्ञापन सौंपा साथ ही समस्याओं को जल्द निराकरण के लिए ज्ञापन सौंपते हुए उक्त मांग की। भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष विनय प्रताप सिंह ने दिए गए ज्ञापन में कहा कि सिंचाई विभाग के अधिकारियों को इसके संबंध में कई बार सूचना दी गई। लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका। कई गांवों के तो सरकारी नलकूप ठप पड़े हैं। किसान चाहने के बावजूद भी फसलों की सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं। और बारिश के मौसम में बारिश न होने के कारण खेतों में खड़ी मक्का, चरी की फसलों को पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिल पा रहा जिससे किसान काफी परेशान है। जल्द ही समस्या का समाधान नहीं हुआ तो किसानों की फसलें चौपट हो जाएंगी। उपजिलाधिकारी ने आश्वासन देते हुए कहा कि जल्द ही किसानों की समस्याओं को दूर किया जाएगा।

मेजर जनरल मनोज तिवारी ने मथुरा में अग्निवीर भर्ती के केंद्रों का निरीक्षण किया

अमन लेखनी समाचार/अमन मिश्रा

लखनऊ, मुख्यालय भर्ती जोन लखनऊ के जोनल रिक्रूटिंग ऑफिसर मेजर जनरल मनोज तिवारी ने सेना भर्ती कार्यालय आगरा के अंतर्गत आनेवाले झांसी, आगरा और मथुरा स्थित ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा केंद्रों का जायजा लेने के लिए 03 और 04 जुलाई 2025 को दौरा किया। इस निरीक्षण दौरे का संचालन सेना भर्ती कार्यालय आगरा की निदेशक (भर्ती) कर्नल रिश्मा सरीन ने किया। इस दौरे का उद्देश्य अग्निवीर भर्ती के ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा केंद्रों की संचालन प्रक्रिया की जांच करना और निर्धारित मानकों एवं प्रक्रियाओं के पालन की पुष्टि करना था। गौरतलब है कि अग्नीवीर के विभिन्न श्रेणियों की ऑनलाईन लिखित परीक्षा 30 जून से चल रही है जो 10 जुलाई 2025 तक चलेगी। ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा भारतीय सेना की दो वर्ष पूर्व शुरू की गई एक पहल है जो अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया में एक क्रांतिकारी परिवर्तन है। इसके लागू होने के बाद से इस प्रणाली ने भर्ती प्रक्रियाओं को अधिक सुव्यवस्थित किया है । 03 जुलाई को मेजर जनरल तिवारी ने झांसी में अग्निवीर जनरल ड्यूटी श्रेणी के लिए आयोजित परीक्षा केंद्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने परीक्षार्थियों से सीधे संवाद किया और ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली के प्रति उनके अनुभवों को जानने का प्रयास किया। संवाद के दौरान मेजर जनरल तिवारी ने अभ्यर्थियों को परीक्षा की कठिनाई के स्तर पर अपने विचार साझा करने और सुधार हेतु सुझाव देने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने सेना की निष्पक्ष, प्रभावशाली और मेरिट आधारित भर्ती प्रक्रिया के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया। उनका प्रेरणात्मक संबोधन युवाओं का मनोबल बढ़ाने और भारतीय सेना की अवसर एवं समानता की भावना को पुनः सुदृढ़ करने में सहायक रहा। इस दौरान मेजर जनरल तिवारी ने परीक्षा के संचालन की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने लॉजिस्टिक व्यवस्थाओं की जांच की, निगरानी तंत्र की कार्यक्षमता का परीक्षण किया, अभ्यर्थियों की पहचान की पुष्टि की और सुरक्षा प्रबंधों का निरीक्षण किया। इस दौरान मेजर जनरल तिवारी ने कहा कि भारतीय सेना अपनी भर्ती प्रक्रियाओं को आधुनिक तकनीकी मानकों और युवाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप ढालने के लिए सतत प्रयासरत है।

करंट की चपेट में आने से हार्डवेयर दुकानदार की मौत

अमन लेखनी समाचार

मृतक बादल फाइल – फोटो

लखनऊ। घर के बाहर लगे बिजली मीटर को बरामदे में लगा रहे युवक की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। बेटे की मौत से घर में कोहराम मच गया।

परिजनों ने दोपहर बाद शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

रहीमाबाद थाना क्षेत्र के मवई कला निवासी बादल मौर्या (28) शुक्रवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे अपने घर के बाहर लगे बिजली मीटर को बरामदे में लगा रहे थे। सुबह से घर में बिजली नहीं आ रही थी। जिससे वह मीटर केबिल सही कर रहा था। अचानक केबिल में करंट उतर आया और बादल मीटर के केबिल में चिपक गए। यह देख कर बचाने के लिए पत्नी माया दौड़ी और शोर मचाने लगी इतने में आसपास के ग्रामीण इकट्ठा हो गए और लकड़ी के डंडे से किसी तरह ग्रामीणों ने बादल के शरीर से केबिल को हटाया लेकिन तब तक बादल मौर्या बेहोशी की हालत में था। आनन फानन में उसे परिजनो ने नजदीकी अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बीते 18 नवंबर 2024 को बादल की शादी हुई थी। घटना के बाद से पत्नी के आंसू रुकने का नाम ही नहीं ले रहे थे। बस यही रट लगाए जा रही थी की वह कहां चले गए हमको छोड़कर जिसके चलते व कई बार बेहोश हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भर शव को परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने शुक्रवार दोपहर बाद शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

मृतक के परिवार में पिता सुरेश मौर्या, पत्नी माया है, जिनका रो-रोकर बुरा हाल है।

शुभांशु शुक्ला के माता-पिता बोले- अंतरिक्ष से सूर्योदय देखना अविस्मरणीय

बेटे के लौटने का बेसब्री से इंतजार

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष में सबसे लंबे समय तक रहने वाले भारतीय अंतरिक्ष यात्री बनकर इतिहास रच दिया है। तीन जुलाई, 2025 को उन्होंने अंतरिक्ष यात्री स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा के 1984 में बनाए गए सात दिन, 21 घंटे और 40 सेकंड के रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया। इस उपलब्धि पर शुभांशु के माता-पिता गर्वित हैं। उनका कहना है कि शुभांशु के लौटने का वे बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह उपलब्धि पूरे देश और उनके परिवार के लिए गर्व का क्षण बन गई है। हम वह क्षण कभी नहीं भूल सकते, जब बेटे ने उन्हें अंतरिक्ष से सूर्योदय दिखाया था।

शुभांशु शुक्ला की मां आशा शुक्ला ने अंतरिक्ष से अपने बेटे से जुड़ने के अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा, कल ही मेरी उससे बात हुई। वह बहुत उत्साहित था। अंतरिक्ष में होने को लेकर भी और घर वापस आने को लेकर भी। उसने बताया कि वह कई प्रयोग कर रहा है और वहां सब कुछ उपलब्ध है। उसने हमें अंतरिक्ष से सूर्योदय दिखाया और यह भी बताया कि वह कहां सोता है। मुझे बहुत गर्व है कि मेरे बेटे ने यह मुकाम हासिल किया है। यह बहुत ही सुंदर अहसास है। पिता शंभू दयाल शुक्ला ने कहा कि हम बस उसकी सुरक्षित वापसी का इंतजार कर रहे हैं। लगता है कि उसका मिशन 12 या 13 जुलाई तक खत्म हो जाएगा। शुरू में उसे थोड़ी दिक्कतें आई थीं, लेकिन अब वह पूरी तरह ठीक लग रहा है। वह अक्सर हमें अंतरिक्ष से नजारे दिखाता है, वहां सूर्योदय वाकई बहुत मनमोहक होता है। वह जो जरूरी काम कर रहा है, उसके बारे में भी बताता है।

छोटे स्कूलों को बंद करने की योजना पर शिक्षक संगठन ने जताई आपत्ति

अमन लेखनी समाचार

मोहानलालगंज। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश भर में कम छात्र संख्या वाले प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों को बंद कर उन्हें एक ही परिसर में समायोजित करने की योजना पर अब विरोध शुरू हो गया है।

गांवों की शिक्षा व्यवस्था पर पड़ेगा असर, सरकार से की पुनर्विचार की मांग.....

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक इकाई मोहनलालगंज ने इस फैसले को गांवों की प्राथमिक शिक्षा प्रणाली पर कुठाराघात बताते हुए इसे अव्यवहारिक और शिक्षा विरोधी कदम कहा है शिक्षक संघ की ओर से ब्लॉक अध्यक्ष अनिल शुक्ल और मंत्री प्रवीण कुमार द्वारा एक संयुक्त ज्ञापन स्थानीय जनप्रतिनिधियों को सौंपा गया है, जिसमें इस योजना को तत्काल प्रभाव से रोकने की मांग की गई है ज्ञापन में कहा गया है कि शासन द्वारा 150 से कम छात्र संख्या वाले उच्च प्राथमिक विद्यालयों और 100 से कम छात्र संख्या वाले प्राथमिक विद्यालयों को बंद कर उन्हें पास के किसी अन्य विद्यालय में समायोजित करने का निर्णय लिया गया है इससे न केवल सैकड़ों विद्यालयों पर ताले लगेंगे बल्कि वर्षों से सेवा दे रहे हजारों स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति भी प्रभावित होगी संघ ने आरोप लगाया है कि यह पूरा निर्णय केवल कागजों पर आधारित है, जिसमें जमीनी हकीकत की अनदेखी की गई है ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे कई विद्यालय हैं जहाँ कम संख्या के बावजूद बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है और यह विद्यालय उनके लिए पहुंच के लिहाज से भी बेहद उपयुक्त हैं ज्ञापन के अनुसार, बीते 30 जून 2025 से प्रदेश के 822 विकास खंडों में इस योजना की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है कई स्कूलों को बंद कर वहां कार्यरत प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों को अन्यत्र समायोजित किया जा रहा है इससे न केवल शिक्षकों में असंतोष व्याप्त है, बल्कि बच्चों और अभिभावकों की शिक्षा में भी व्यवधान उत्पन्न हो रहा है शिक्षक संघ ने मोहनलालगंज लोकसभा के सांसद विधायक और जनप्रतिनिधियों से अपील की है कि वे हस्तक्षेप कर सरकार को इस निर्णय पर पुनर्विचार के लिए बाध्य करें ज्ञापन में कहा गया है कि यदि 150 से कम छात्र संख्या वाले उच्च प्राथमिक विद्यालय और 100 से कम छात्र संख्या वाले प्राथमिक विद्यालयों को बंद किया गया, तो गांवों की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह चरमरा जाएगी संघ ने चेतावनी दी है कि यदि इस निर्णय को वापस नहीं लिया गया, तो शिक्षकों को आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

बुजुर्ग को अपाचे सवार ने मारी टक्कर, घायल, इलाज के अभाव में मौत

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। लखनऊ के पारा थाना क्षेत्र के धनहर खेड़ा निवासी नागेन्द्र कुमार यादव ने मोहनलालगंज थाने में लिखित शिकायत में बताया कि सड़क दुर्घटना में पिता की मौत का आरोप लगाते हुए अपाचे सवार के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बीते बीस जून को पीड़ित नागेन्द्र के पिता सुंदर लाल पुत्र स्व. राम सहाय दोपहर लगभग 12 बजे अपने खेत से घर लौट रहे थे। जैसे ही वह मोहनलालगंज मौरावा मार्ग स्थित प्रकाश अस्पताल के पास पहुंचे, तभी एक तेज रफ्तार दोपहिया वाहन अपाचे यू पी 32 एम डब्लू 6194 ने उनकी बाइक यू पी 32 पी एस 6296 विक्की को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सुंदर लाल गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची 112 पुलिस टीम ने घायल को पास के प्रकाश अस्पताल पहुंचाया, जहाँ से उन्हें मोहनलालगंज सरकारी अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहाँ से डॉक्टरों ने उन्हें ट्रामा सेंटर लखनऊ भेजा, लेकिन ट्रामा यूनिट ने भी उपचार के लिए मरीज को वापस कर दिया। इसके बाद परिजन उन्हें टीएस मिश्रा अस्पताल और फिर मेडिकल कॉलेज ले गए, लेकिन कहीं भी उचित इलाज नहीं मिला। आखिरकार मरीज को एरा मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहाँ दो दिन इलाज चलने के बाद अस्पताल ने जवाब दे दिया।परिजन अंतत घायल बुजुर्ग को घर ले आए, लेकिन इलाज के अभाव और लगातार बिगड़ती हालत के चलते बीते 22 जून की सुबह 11 बजे रास्ते में ही सुंदर लाल की मौत हो गई। उसी दिन शाम को आलमबाग स्थित श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया।पीड़ित पुत्र नागेन्द्र कुमार यादव ने थाने में तहरीर देते हुए दोपहिया वाहन चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। उनका कहना है कि यह पूरी तरह एक लापरवाही और गैरजिम्मेदारी से हुई घटना है, जिसकी वजह से एक निर्दोष बुजुर्ग की जान चली गई। उन्होंने पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष जांच और उचित मुआवजे की भी मांग की है। वही पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि संबंधित वाहन और चालक की तलाश की जा रही है तथा मामले में उचित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आगे की कार्यवाही की जा रही है।

मरीजों से अवैध वसूली में फर्रुखाबाद की नर्स निलंबित

निजी प्रैक्टिस के आरोप में सहायक आचार्य पर विभागीय कार्रवाई की संस्तुति

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मरीजों से वसूली के आरोप में फरुर्खाबाद के डा. राम मनोहर लोहिया चिकित्सालय में तैनात उपचारिका विदेह कुमारी को निलंबित कर दिया गया है। निलंबित उपचारिका को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय बहराइच से संबद्ध किया गया है। इस मामले की जांच कराते हुए विभागीय कार्रवाई करने के निर्देश प्रमुख सचिव को दिए गए हैं। वहीं, स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय की सहायक आचार्य डा. रुचिका सिंह पर निजी प्रैक्टिस के आरोप लगे हैं। इनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की संस्तुति की गई है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया है कि उपचारिका पर अवैध वसूली के साथ ही अस्पताल में अराजकता फैलाने की शिकायतें हैं। शिकायतों का संज्ञान लेते हुए यह कार्रवाई की गई है। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय कुशीनगर की सहायक आचार्य डा. रुचिका सिंह पर निजी प्रैक्टिस किए जाने के आरोपों में इनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य चिकित्साधिकारी हमीरपुर डा. गीतम सिंह द्वारा 25 अप्रैल को महोबा में आयोजित उ.प्र. विधान परिषद की वित्तीय एवं प्रशासनिक विलंब समिति की बैठक में सूचना के साथ प्रतिभाग नहीं किए जाने का आरोप लगा है। इनसे स्पष्टीकरण तलब किया गया है। बहराइच जिले की गंगवन पीएचसी पर तैनात चिकित्साधिकारी डा. विकास वर्मा पर पयागपुर सीएचसी पर तैनाती के दौरान गलत मेडिकल सर्टिफिकेट बनाया था। इस मामले की जांच के बाद एक वेतनवृद्धि रोकते हुए परिनिंदा का दंड दिया गया है। आजमगढ़ सीएचसी पर तैनात डा. सुरजीत सिंह पर हरदोई जिला चिकित्सालय में तैनाती के दौरान मरीजों से दुर्व्यवहार की शिकायतें मिली हैं। इनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की संस्तुति की गई है। रायबरेली जिले के खीरी सीएचसी में तैनात चिकित्साधिकारी डा. इफ्तिखार अहमद पर महिला रोगियों से अभद्रता का आरोप लगा है। इनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है।

कोर्ट में लंबित चालानों पर अब झंझट खत्म!

पे-नाओ ऐप से करें ऑनलाइन भुगतान, मिनटों में निपटाएं मामला

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। कोर्ट में विचाराधीन चालानों का निस्तारण कराने के लिए अब शमन शुल्क के भुगतान के लिए पे-नाओ एप के माध्यम से आनलाइन भुगतान की सुविधा आरंभ की गई है। कोर्ट में साढ़े तीन करोड़ से अधिक ई-चालान लंबित हैं। नई प्रणाली से इनके निस्तारण में तेजी आएगी। यातायात निदेशालय के अधिकारियों के अनुसार वाहन स्वामियों की सुविधा के लिए यह पहल की गई है। कोर्ट में चालान के विचाराधीन होने की दशा में उसका भुगतान संबंधित पोर्टल के माध्यम से संभव नहीं होता था। इससे वाहन के नामांतरण, परमिट के नवीनीकरण, फिटनेस प्रमाण पत्र जारी होने, वाहन बिक्री-पंजीकरण प्रकिया व बीमा दावों की स्वीकृति में दिक्कतें आ रही थी। ई-चालान होने पर तीन दिनों के भीतर शमन शुल्क का आनलाइन भुगतान किया जा सकता है। तीन दिनों के बाद चालान कोर्ट पहुंच जाता है। तब उसके निस्तारण के लिए वाहन स्वामी को कोर्ट से नोटिस जारी होने अथवा लोक अदालत की प्रतीक्षा करनी पड़ती है। वाहन स्वामियों की दिक्कतों को देखते हुए तकनीकी प्रणाली में सुधार किया गया है। आइजी यातायात सुभाष चन्द्र दुबे के अनुसार अब पे-नाओ एप के माध्यम से चालान के आनलाइन भुगतान की व्यवस्था की गई है।

करोड़ों का फर्जीवाड़ा, मिजार्पुर के समाज कल्याण अधिकारी त्रिनेत्र सिंह घोटाला मामले में निलंबित

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना में घोटाले के आरोपों में घिरे मीरजापुर के जिला समाज कल्याण अधिकारी त्रिनेत्र सिंह को निलंबत कर दिया गया है। उनकी प्रयागराज में तैनाती के दौरान करोड़ों का फजीर्वाड़ा करने की शिकायतें की गई थी। इन शिकायतों की अलग-अलग हुई प्रारंभिक जांच में दोषी पाए जाने पर निलंबन की कार्रवाई की गई है। राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों के मुखिया की मृत्यु होने पर परिवार को एकमुश्त वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। सहायता के रूप में 30 हजार रुपये की राशि दी जाती है। पिछले दिनों प्रयागराज के अलोपी बाग निवासी अनुभव श्रीवास्तव ने मंत्री को 54 पेज का शिकायती पत्र भेजा था। शपथ पत्र के साथ दी गई शिकायत में त्रिनेत्र सिंह पर प्रयागराज में तैनाती के दौरान राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना में घोटाला करने के आरोप लगाए गए थे। कहा गया था कि जनवरी, फरवरी और मार्च 2023 के दौरान 1500 से दो हजार अपात्र लोगों को योजना का लाभ दे दिया गया। इसमें ऐसे लोगों को शामिल किया गया, जिनकी मृत्यु काफी पहले ही हो चुकी थी। ऐसे नामों को भी शामिल किया गया, जिनकी विधवाएं पहले से विधवा पेंशन ले रही हैं। शिकायतकर्ता ने 259 लोगों की सूची के साथ सात मामलों में गड़बड़ी संबंधी साक्ष्य भी सौंपे थे। वहीं प्रयागराज के अधिवक्ता ओपी मिश्रा की ओर से भी एक शिकायती पत्र देकर राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना में फजीर्वाड़ा करने का आरोप लगाया गया था। ओपी मिश्रा के शिकायती पत्र पर प्रयागराज मंडल के उप निदेशक को जांच सौंपी गई थी। उन्होंने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट विभाग को सौंप दी है, जिसमें कहा गया है कि जांच में प्रयागराज की फूलपुर तहसील से से संबंधित 21 लाभार्थियों में से 20 लाभार्थी अपात्र पाए गए। इसी तरह तहसील करछना के 154 लाभार्थियों में से भी 98 लाभार्थी अपात्र मिले। दूसरी तरफ अनुभव श्रीवास्तव की शिकायत पर हापुड़ के राजकीय आइएएए-पीसीएस कोचिंग केंद्र के संयुक्त निदेशक को जांच सौंपी गई थी। उनकी प्रारंभिक जांच आख्या में कहा गया है कि शिकायतकर्ता की सूची में दिए गये 249 लाभार्थियों में से 30 लाभार्थियों का रैंडम स्थलीय सत्यापन करने पर केवल छह लाभार्थी पात्र मिले और 24 लाभार्थी अपात्र पाए गए।

संक्षेप

इमाम हुसैन की शहादत की याद में निकाला गया जुलूस

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। करबला की जंग में शहीद हुए पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन और उनके साथियों की याद में जुलूस-ए-ताबूत व अलम निकाला गया। मोहल्ला सैय्यदवाड़ा से शुरू हुए इस जुलूस में हजारों अकीदतमंद शामिल हुए। करीब 1400 साल पहले यजीद की बैअत न करने पर इमाम हुसैन को करबला बुलाया गया था। वहां 10वीं मोहर्रम को तीन दिन की भूख-प्यास के बाद उन्हें शहीद कर दिया गया। इमाम हुसैन के भतीजे हजरत कासिम की याद में ताबूत व अलम का जुलूस निकाला गया।अंजुमन-ए-इमामिया के सदस्यों ने नौहा पढ़ते हुए छुरी का मातम किया। सैय्यदवाड़ा चौराहे पर मातम अपने चरम पर पहुंचा। अकीदतमंदों ने ताबूत पर चादरें चढ़ाकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। जुलूस मोहल्ला पीराबाजार, किलाबाजार, पडरिया, मियाबाजार, हाताबाजार, टिकुली और राहतगंज बाजार होते हुए बड़े इमामबाड़े पर संपन्न हुआ। भाजपा के पूर्व राज्यमंत्री मोहसिन रजा ने अपने पैतृक आवास पर क्षेत्रवासियों से मुलाकात की। उन्होंने मोहर्रम के मौके पर भाईचारे व अमन-चैन की दुआ की। कार्यक्रम में नवाब आलम, मन्नू और अंजुमन के सचिव कुमैल अहमद समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने शांति व सुरक्षा व्यवस्था के लिए निगरानी की।

अज्ञात ट्रक की टक्कर से ई रिक्शा सवार दो युवक घायल

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के हरदोई उन्नाव मार्ग पर अनियंत्रित अज्ञात ट्रक ने ई रिक्शा में मारी टक्कर जिससे रिक्शा सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां पर मौजूद डॉ ने गंभीर हालत देखते एक युवक को जिला अस्पताल भेज दिया कोतवाली क्षेत्र के नौबतपुर निवासी राजकुमार 30 वर्ष पुत्र छेदीलाल अपने गांव के ही साथी बउआ 40 वर्ष पुत्र मोतीलाल के साथ ई रिक्शा से सफीपुर की ओर जा रहा था तभी मेहंदी खेड़ा के पास अज्ञात ट्रक ने रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी जिससे रिक्शा पलट गया और दो युवक उसके नीचे दब गए मौजूद ग्रामीणों ने दोनों निकाल 108 एम्बुलेंस से ले जाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सफीपुर में भर्ती कराया जहां पर मौजूद डॉ ने गंभीर हालत देखते राजकुमार को जिला अस्पताल भेज दिया।

जल निगम कर्मियों ने किया विरोध प्रदर्शन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय) के अधिकारियों, कर्मचारियों और पेंशनर्स की समस्याओं को लेकर उन्नाव में विरोध तेज हो गया है। जल निगम संघर्ष समिति, जनपद इकाई उन्नाव ने अपनी सात सूत्रीय मांगों को लेकर काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया और सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज को डीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन दिया। ज्ञापन सौंपने से पहले जल निगम परिसर में एक सभा का आयोजन हुआ, जिसमें संघर्ष समिति के जनपद संयोजक इंजीनियर सुधाकर श्रीवास्तव ने कहा कि निगम के अधिकारियों, कर्मचारियों और पेंशनर्स को बीते छह महीनों से वेतन और पेंशन नहीं मिली है। इससे सभी को गंभीर आर्थिक संकट से गुजरना पड़ रहा है। परिवार चलाना मुश्किल हो गया है और बच्चों की पढ़ाई, इलाज व अन्य जरूरी खर्चों पर असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि संघर्ष समिति बार-बार अपनी मांगों को शासन-प्रशासन के समक्ष रख चुकी है, लेकिन अब तक किसी भी स्तर से कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है। मांग पत्र में वेतन और पेंशन के भुगतान के साथ-साथ विभागीय ढांचे की मजबूती, सेवानिवृत्तकर्मचारियों के लंबित लाभों का निपटारा, नियमित पदोन्नति, संविदा कर्मचारियों का स्थायीकरण तथा निगम के पुनर्गठन जैसी सात प्रमुख मांगें शामिल हैं।इंजीनियर श्रीवास्तव ने चेतावनी दी कि यदि मांगों का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो संघर्ष समिति आंदोलनात्मक कार्यवाही के लिए बाध्य होगी, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन और निगम प्रशासन की होगी। इस दौरान उपस्थित जल निगम कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर अपना विरोध दर्ज कराया और एक स्वर में कहा कि वेतन और पेंशन की अनदेखी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इन लोगों की रही मौजूदगी सभा में प्रमुख रूप से इंजीनियर पुनीत कुमार, इंजीनियर पी.एल. श्रीवास्तव, इंजीनियर राम कुमार, इंजीनियर विनय कुमार सिंह, इंजीनियर जसवंत कुमार, श्री हरी प्रकाश, अश्विनी कुमार मिश्र, जुबेर अहमद, धर्मेश कुमार, श्रीनारायण और संतोष कुमार सहित दर्जनों कर्मचारी मौजूद रहे।

गंगा गढ़ेवा मार्ग का किया जाएगा चौड़ीकरण

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। तहसील बीघापुर के बारासगवर क्षेत्र में बने गंगा गढ़ेवा मार्ग पर स्थित पुल का लंबाई चौड़ाई का विस्तार किया जाएगा। इस विस्तार से उन्नाव, कानपुर और फतेहपुर जिलों के हजारों लोगों को लाभ मिलेगा। फिलहाल बीएचयू के विशेषज्ञों की रिपोर्ट का इंतजार है।फरवरी 2017 में बना यह पुल गढ़ेवा और डोमनपुर के बीच गंगा पार करने का एकमात्र माध्यम है। वर्ष 2021-22 और 2022-23 में आई बाढ़ ने पुल के पहुंच मार्ग को नुकसान पहुंचाया। गढ़ेवा की तरफ भारी कटाव से पुल तक पहुंचना मुश्किल हो गया।लोक निर्माण विभाग और सिंचाई विभाग ने आईआरआई हरिद्वार से नदी मॉडल स्टडी कराई। जून 2024 में आई रिपोर्ट में सामने आया कि मौजूदा पुल की लंबाई गंगा के विस्तारित बहाव क्षेत्र के लिए काफी नहीं है।20 मार्च 2025 को उच्च स्तरीय बैठक में पुल की लंबाई बढ़ाने की संस्तुति की गई। मुख्य अभियंता ने 21 अप्रैल को प्रस्ताव भेजा। 22 अप्रैल को सेतु निगम को कार्यवाही तेज करने के निर्देश दिए गए। बीएचयू से पुल की लंबाई बढ़ाने की स्वीकृति मिल चुकी है।

बुर्का पहन कर कोर्ट में सरेंडर होने जा रहे 25 हजार के इनामी आरोपी को पुलिस ने धर दबोचा

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में 8 वर्षीय बच्ची से अश्लीलता करने के मामले में फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी नौशाद अली को पुलिस ने बड़ी चालाकी से गिरफ्तार कर लिया।प्रभारी निरीक्षक सुब्रत नारायण तिवारी की रणनीति के चलते पुलिस ने आरोपी को उस समय पकड़ा, जब वह बुर्का पहनकर आत्मसमर्पण के इरादे से उन्नाव जिला न्यायालय पहुंचा था।

पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने आरोपी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था और उसकी गिरफ्तारी के लिए एसओजी व कोतवाली पुलिस को लगाया गया था। सूचना मिली थी कि आरोपी कोर्ट में सरेंडर कर सकता है, जिसके बाद प्रभारी निरीक्षक ने रणनीति के तहत पुलिस टीम को पहले से कोर्ट परिसर के बाहर तैनात कर दिया।शुक्रवार को जैसे ही एक बुर्का पहने व्यक्ति की गतिविधि संदिग्ध लगी, पुलिसकर्मियों ने उसे रोका और पहचान की तो वह नौशाद अली निकला। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी जोर-जोर से चिल्लाने लगा, जिससे मौके पर हड़कंप मच गया। कई लोगों ने वीडियो भी बनाना शुरू कर दिया। पुलिस ने भीड़ से बचाते हुए आरोपी को तुरंत हिरासत में ले लिया प्रभारी निरीक्षक सुब्रत नारायण तिवारी ने बताया कि आरोपी एक सप्ताह से पुलिस को चकमा दे रहा था। लेकिन उसके हर मूवमेंट पर पुलिस की नजर बनी हुई थी। आरोपी से पूछताछ की जा रही है और न्यायालय में पेश कर जेल भेजने की तैयारी की जा रही है।इस गिरफ्तारी को लेकर पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने टीम की प्रशंसा की और कहा कि महिला व बाल अपराध के मामलों में पुलिस जीरो टॉलरेंस नीति पर काम कर रही है।

भारी बारिश के चलते घरों व दुकानों में घुसा पानी

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। नवाबगंज ब्लॉक के कई गांवों में इस बार बरसात कहर बनकर टूटी है। पिछले 24 घंटों में हुई भारी बारिश के चलते गांवों की गलियों से लेकर लोगों के घरों और दुकानों तक पानी भर गया है। बारिश का पानी इतनी तेजी से फैला कि देखते ही देखते बाजार और इलाके जलमग्न हो गए। दुकानों में रखा लाखों का सामान खराब हो गया, जिससे व्यापारियों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि पानी अचानक से दुकान के अंदर घुस गया। कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स, किराना और हार्डवेयर की दुकानों में रखा सारा सामान पानी में भीग गया। कई दुकानों में फर्नीचर तक बह गया। दुकानदारों ने बताया कि उन्होंने पहले भी कई बार नालियों की सफाई और जल निकासी की उचित व्यवस्था की मांग की थी, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।नवाबगंज के मोहल्ला कस्बा टोला और आसपास के ग्रामीण इलाकों में लोगों के घरों में पानी भर गया। कई परिवारों को बर्तनों और बाल्टियों से पानी निकालते देखा गया। महिलाएं और बच्चे भी हाथ से पानी बाहर निकालने में जुटे रहे। कई घरों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई है, जिससे लोगों को रात अंधेरे में गुजारनी पड़ी। स्थानीय निवासी सुरेश यादव ने बताया, हर साल बरसात में यही हाल होता है। गांव की नालियां जाम हैं, कहीं भी पानी की निकासी की व्यवस्था नहीं है। शिकायतें करने के बाद भी अधिकारी सिर्फ आश्वासन देकर चले जाते हैं।इस बीच सोशल मीडिया पर गांवों में भरे पानी के वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें लोग पानी में चलते नजर आ रहे हैं। एक वीडियो में एक बुजुर्ग महिला पानी में फिसलती भी दिख रही है, जिसे देखकर लोग प्रशासनिक लापरवाही पर नाराजगी जता रहे हैं।

हर घर सोलर सिस्टम लगाओं, अपना बिजली बिल घटाओं, सरकारी अनुदान पाओं

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। परियोजना प्रभारी यूपीनेडा ने बताया है कि पी.एम. सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अन्तर्गत सोलर रूफटॉप योजना के संबंध में दिनांक-04 जुलाई, 2025 को विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में एक बैठक सम्पन्न हुई। आयोजित बैठक में मुख्य विकास अधिकारी के अतिरिक्त परियोजना निदेशक, डी.आर.डी.ए. उन्नाव, परियोजना प्रभारी, यूपीनेडा, अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड-जनपद उन्नाव अग्रणी जिला प्रबन्धक व अन्य बैंक के जनपदीय कोआर्डिनेटर्स तथा पीएम सूर्यघर योजना के अन्तर्गत जनपद की पंजीकृत फर्मों द्वारा प्रतिभाग किया गया। बैठक में प्रभारी परियोजना, यूपीनेडा द्वारा जनपद में पी०एम०सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान करते हुए संयंत्रों की स्थापना में शासन द्वारा प्रदान की जा रही अनुदान आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। बैठक में उपस्थित मुख्य विकास अधिकारी एवं इम्पैनल्ड फर्मों के प्रतिनिधियों द्वारा भी कार्यक्रम के संबंध में अपने-अपने विचार व्यक्त किये गये। चर्चा के दौरान मुख्य विकास अधिकारी द्वारा पी०एम०सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अन्तर्गत फर्मों द्वारा बतायी गयी समस्याओं के निस्तारण हेतु बैठक में उपस्थित अधिशासी अभियन्ताओं को निर्देशित किया गया। उपभोक्ताओं के मध्य अधिकाधिक प्रचार-प्रसार के दृष्टिगत अधिक से अधिक कैम्प लगाकर जनमानस की जानकारी हेतु प्रचार-प्रसार किये जाने की आपेक्षा की गयी जिससे शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना का अधिक से अधिक लाभ जनमानस को प्राप्त हो सके। उक्त के अतिरिक्त शासन के निदेशानुसार पी०एम० सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अन्तर्गत प्रदेश के प्रत्येक जनपद में एक मॉडल सोलर गाँव का चयन किया जाना है। चयनित ग्राम की नवीनतम प्रकाशित जनगणना के अनुसार राजस्व ग्राम की जनसख्या 5000 से अधिक होनी चाहिए। उक्त के दृष्टिगत जनपद के ऐसे 59 राजस्व ग्रामों जिनकी संख्या 5000 से अधिक है, में गैर पारम्परिक ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना हेतु ग्रामवासियों को अधिक से अधिक जानकारी एवं जारूकता प्रदान किये जाने हेतु इम्पैनल्ड फर्मों के माध्यम से दिनांक 08 एवं 15 जुलाई, 2025 को कैम्प आयोजित कराये जा रहे है।

दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने दुष्कर्म के वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ विधिक कार्यवाही कर उसे न्यायालय भेज दिया। कोतवाली के अपराध निरीक्षक रामनारायण यादव को खास मुखबिर के जरिए आज शुक्रवार को सूचना मिली कि दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त अभियुक्त फैजान पुत्र लतीफ निवासी ग्राम सहदानी थाना बांगरमऊ स्थानीय रेलवे स्टेशन के पास खड़ा है। सूचना मिलते ही अपराध निरीक्षक ने पुलिस बल के साथ उसे दबोच लिया। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही कर उसे अदालत भेज दिया।

राशन कार्ड धारकों के लगभग चार लाख यूनिटों की नहीं पाई केवाईसी

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जनपद में राशन कार्ड धारकों की ओर से यूनिटों की ई-केवाईसी कराने को लेकर अपेक्षित उत्साह नहीं दिख रहा है। शासन द्वारा तय की गई 30 जून की समय सीमा बीत जाने के बाद भी जिले में लगभग चार लाख यूनिटों की अब तक ई-केवाईसी नहीं हो सकी है। इससे यह स्पष्ट है कि या तो लाभार्थी स्वयं में रुचि नहीं दिखा रहे हैं या फिर कोटेदारों की ओर से अपेक्षित प्रयास नहीं किए जा रहे। जिला पूर्ति कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार जिले में कुल 1273 कोटेदार संचालित हैं। इनके जरिए 23 लाख 14 हजार 605 यूनिटों को राशन मुहैया कराया जा रहा है। लेकिन अभी तक महज 19 लाख 13 हजार 715 यूनिटों की ही ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी हो सकी है। ऐसे में चार लाख से अधिक यूनिटें अब भी लंबित हैं।विभागीय अधिकारियों का कहना है कि राशन कार्ड पर दर्ज प्रत्येक सदस्य की ई-केवाईसी कराना अनिवार्य है, ताकि लाभार्थियों का सही सत्यापन हो सके। इसके लिए शासन ने 30 जून की डेडलाइन तय की थी, लेकिन अब तक प्रक्रिया पूरी न हो पाना चिंता का विषय है। हालांकि, ई-केवाईसी की तिथि बढ़ाई जाएगी या नहीं, इस संबंध में अभी कोई स्पष्ट निर्देश नहीं मिले हैं। पूर्ति विभाग ने कोटेदारों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने क्षेत्र के लाभार्थियों को ई-केवाईसी के लिए प्रेरित करें और हर संभव मदद उपलब्ध कराएं। बता दें कि लाभार्थी किसी भी राशन दुकान या जनसेवा केंद्र से ई-केवाईसी करा सकते हैं। इसके लिए जरूरी है कि आधार कार्ड अपडेट हो और मोबाइल नंबर लिंक हो। यदि लाभार्थी समय रहते ई-केवाईसी नहीं कराते हैं तो भविष्य में उनका राशन बाधित हो सकता है। विभाग लगातार अभियान चला रहा है, लेकिन जब तक कार्डधारक खुद रुचि नहीं दिखाएंगे, तब तक इस लक्ष्य को पाना मुश्किल है। अधिकारियों का कहना है कि अगर जल्द ही सभी यूनिटों की ई-केवाईसी नहीं होती है तो सख्ती बरती जा सकती है।

जान जोखिम में डालकर विद्युत कर्मचारी करते हैं

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जनपद में बिजली विभाग के 50 से अधिक संविदा और आउटसोर्सिंग कर्मचारी अपनी जान जोखिम में डालकर काम करने को मजबूर हैं। कर्मचारियों को रबर दस्ताने, सेफ्टी बेल्ट, हेलमेट और जूते जैसे आवश्यक सुरक्षा उपकरण नहीं दिए जा रहे हैं। बरसात के मौसम में फॉल्ट की मरम्मत के लिए कर्मचारी बिना सुरक्षा उपकरणों के बिजली के खंभों पर चढ़ने को विवश हैं। विद्युत विभाग के नियमानुसार लाइनमैन को पूरी सेफ्टी किट दी जानी अनिवार्य है। कर्मचारियों की परेशानी सिर्फ सुरक्षा उपकरणों तक सीमित नहीं है। उन्हें पीएफ और कर्मचारी राज्य बीमा की सुविधा से भी वंचित रखा जा रहा है। दुर्घटना होने पर मुआवजे का कोई प्रावधान नहीं है। कर्मचारियों का तीन महीने का वेतन भी बकाया है।शिकायत करने वाले कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की धमकी दी जाती है। विभागीय फाइलों में सुरक्षा उपकरणों की आपूर्ति दिखाई जाती है। जिले में पहले भी करंट लगने से कई मौतें हो चुकी हैं। अधीक्षण अभियंता ने मामले में जूनियर इंजीनियर की टीम से जांच कराने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि बिना सुरक्षा उपकरण के कर्मचारियों से काम नहीं कराया जाएगा।

महिला ने फांसी लगाकर की अपनी जीवन लीला समाप्त

अमन लेखनी समाचार

असोहा, उन्नाव। थाना क्षेत्र के काथा खेड़ा गांव में एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान 30 वर्षीय सविता के रूप में हुई। वह काथा खेड़ा निवासी गोपाल की पत्नी थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सविता की शादी 14 वर्ष पहले गोपाल से हुई थी। वह मूल रूप से अचलगंज थाना क्षेत्र के मवईया गांव की रहने वाली थी। उनकी दो बेटियां हैं- अंजलि और अनन्या। गोपाल सूरत में साड़ी का व्यवसाय करते हैं। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाया मृतका के परिजनों के अनुसार, सविता को शक था कि उनके पति का किसी अन्य महिला से संबंध है। इस कारण पति-पत्नी के बीच फोन पर अक्सर विवाद होता था। इन विवादों से सविता तनाव में रहने लगी थी। गुरुवार देर रात सविता ने कमरे में फांसी लगा ली। परिवार के सदस्यों से जब दरवाजा नहीं खुला तो खिड़की से देखा गया। उन्हें सविता का शव लटका मिला। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाया है। मृतका के मायके पक्ष के बयान दर्ज किए गए हैं। पुलिस प्राथमिक जांच में इसे आत्महत्या का मामला मान रही है। मृतका की मां और भाई शोक में हैं।

आबकारी टीम ने ड्रोन की मदद से लगभग 4 कुन्तल लहन नष्ट किया

अमन लेखनी समाचार

मौरावां, उन्नाव। उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार अवैध मदिरा की बिक्री व परिवहन की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी अनुराग मिश्र के कुशल नेतृत्व में आज निशांत सिंह आबकारी निरीक्षक क्षेत्र पुरवा व पी पी टंडन आबकारी निरीक्षक क्षेत्र सफीपुर मय हमराह व थाना मौरावां पुलिस स्टाफ के साथ तहसील-पुरवा अंतर्गत संदिग्ध ग्राम असरेंदा व बरेन्दा थाना मौरावां में सई नदी के किनारे ड्रोन के माध्यम से संदिग्ध स्थानों में एक बारगी दबिश देते हुए लगभग 400 किग्रा लहन महुआ मौके पर नष्ट किया गया।

हजारों श्रद्धालुओं ने चखा जगन्नाथ जी का भंडारा

सहयोगियों का हुआ सम्मान

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। नगर में भगवान जगन्नाथ जी की 30वीं भव्य यात्रा के उपरांत स्थानीय कात्यायन गेस्ट हाउस में विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। सदर विधायक पंकज गुप्ता, पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि प्रवीण मिश्रा भानू, पूर्व पालिकाध्यक्ष रामचंद्र गुप्ता ने समिति पदाधिकारियों के साथ पूजन आरती के साथ भंडारे का शुभारंभ कराया। मुख्य सेवायत कृष्णप्रिय मोती श्याम, अध्यक्ष राम प्रकाश चौरसिया, महामंत्री विजय गुप्ता ने सहयोगियों और अतिथियों को प्रतीक चिन्ह और अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। महिला मंडल अध्यक्ष निम्मी अरोरा, कोषाध्यक्ष निर्भय निगम, व्यवस्थापक राजेश दुबे व संजीव गुप्ता राजा, निर्भय सिंह, राजू गुप्ता, मनोज निगम, अजय गुप्ता, सचिन वर्मा, धर्मेंद्र वर्मा, साधना दीक्षित, उमा शुक्ला, वंदना त्रिपाठी, सुभाष गुप्ता, स्वागताध्यक्ष अरविंद वर्मा, मीडिया प्रमुख मनीष सिंह सेंगर, आरती यादव, संजय गुप्ता, निशीथ श्रीवास्तव, गुड़िया चौहान, राजन मिश्रा, अरविंद श्रीवास्तव, राहुल कश्यप आदि का योगदान रहा। भंडारे के बीच श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण, भगवान बलभद्र और सुभद्रा के दर्शन कर सुमधुर भजनों में आत्ममुग्ध होते दिखे।

आग से झुलसे युवक की इलाज के दौरान हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। थाना क्षेत्र के ग्राम जिलदासपुर निवासी हरिशंकर (25 वर्ष) पुत्र गजोधर की इलाज के दौरान दर्दनाक मौत हो गई। हरिशंकर को करीब दो महीने पूर्व टोनी बजरंग नामक युवक ने ज्वलन शील पदार्थ डालकर आग के हवाले कर दिया था। यह सनसनीखेज वारदात सोहरामऊ थाना क्षेत्र के गांव बाबा खेड़ा में अंजाम दी गई थी। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है, वहीं पीड़ित परिजन न्याय की मांग कर रहे हैं।मृतक के भाई ने जानकारी देते हुए बताया कि दो महीने पूर्व हरिशंकर को टोनी बजरंग ने अपने गांव बाबा खेड़ा बुलाया था। यहां पहले से ही टोनी ने घात लगाकर ज्वलन शील पदार्थ लेकर रखा था। आपसी बातचीत के दौरान विवाद हुआ और टोनी ने हरिशंकर पर ज्वलन शील पदार्थ उड़ेलकर आग लगा दी। गंभीर रूप से झुलसे हरिशंकर को परिजनों ने तत्काल इलाज के लिए सीएचसी हसनगंज में भर्ती कराया, जहां से हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल और फिर लखनऊ रेफर किया गया।बताया जा रहा है कि इस जघन्य कांड के पीछे प्रेम प्रसंग की पृष्ठभूमि है। टोनी बजरंग की बहन से हरिशंकर के बीच पिछले दो वर्षों से प्रेम संबंध चल रहा था। परिवार को जब इसकी जानकारी हुई तो आपत्ति जताई गई। टोनी इस प्रेम संबंध का विरोध कर रहा था और इसी नाराजगी के चलते उसने यह खौफनाक कदम उठाया। इलाज के दौरान हरिशंकर की हालत में कभी-कभार सुधार होता, लेकिन जख्म इतने गंभीर थे कि वह पूरी तरह ठीक नहीं हो सका। आखिरकार दो महीने की लंबी लड़ाई के बाद उसकी मौत हो गई। घटना के बाद से आरोपी टोनी फरार चल रहा है। पीड़ित परिवार ने थाने में तहरीर देकर आरोपित की गिरफ्तारी की मांग की है। परिजनों का कहना है कि पहले भी इस प्रेम प्रसंग को लेकर धमकियां मिलती रही थीं लेकिन उन्होंने कभी सोचा नहीं था कि मामला इतना गंभीर मोड़ ले लेगा। सोहरामऊ थाना प्रभारी शरद ने बताया मुकदमा दर्ज कर लिया गया था पूरे मामले की जाँच पड़ताल की जा रही पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद अन्य विधिक कार्यवाही की जाएगी।

सम्पादकीय

डिजिटल इंडिया की प्रगति अच्छी, अभी चुनौतियां कई

डिजिटल इंडिया मिशन ने दस वर्ष पूरे किए हैं। वर्ष 2015 से अब तक एक दशक में भारत ने डिजिटल समावेशन में उल्लेखनीय प्रगति की है। इस दौरान न केवल डिजिटल विभाजन कम हुआ है, बल्कि डिजि इन्फ्रा समेत डिजिटल पहुंच का दायरा भी बढ़ा है। 2014 में भारत में लगभग 25 करोड़ इंटरनेट कनेक्शन थे, आज यह संख्या बढ़कर करीब 97 करोड़ हो गई है। देश में 42 लाख किलोमीटर से अधिक ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछ चुका है, जो पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी के 11 गुना के बराबर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि, 'डिजिटल इंडिया' पहल ने अवसरों का लोकतंत्रीकरण किया है। डिजिटल इंडिया मिशन का लक्ष्य भारत को ज्ञान अर्थव्यवस्था में बदलना है। ब्रॉडबैंड हाईवे, मोबाइल कनेक्टिविटी, पब्लिक इंटरनेट एक्सेस, ई-गवर्नेंस, ई-क्रांति, सभी के लिए सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, नौकरियों के लिए आईटी, अर्ली हार्वेस्ट कार्यक्रम जैसे डिजिटल इंडिया मिशन के नौ स्तंभ हैं। दस वर्ष में डिजिटल साक्षरता के साथ सरकारी सेवाओं तक ऑनलाइन पहुंच बढ़ी है। यूपीआई ने डिजिटल भुगतान में भारत को सिरमौर बना दिया है। आधार, कोविन, डिजिलॉकर और फास्टैग से लेकर पीएम-वाणी, भारतनेट, ई-गवर्नेंस और 'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' तक ने डिजिटल मिशन को गति दी है। वर्ष 2023 में वैश्विक रियल-टाइम डिजिटल पेमेंट्स में भारत की 49 फीसदी हिस्सेदारी थी। यूपीआई अब 7 से अधिक देशों में लागू है। देश में एआई और सेमीकंडक्टर मिशन चल रहे हैं। क्लाउड कंप्यूटिंग, आईओटी, रोबोटिक्स और ब्लॉक चेन में भी काम हो रहे हैं। लेकिन डिजिटल इंडिया कई चुनौतियों का भी सामना कर रहा है, जिनमें डिजिटल डिवाइड (ग्रामीण इंटरनेट पहुंच और डिजिटल साक्षरता करीब 37 फीसदी है), साइबर सुरक्षा (करीब 15 लाख फ्रॉड केस), डेटा गोपनीयता, बुनियादी ढांचे की कमी, ई कचरा निपटान और नियामकीय चैलेंज शामिल हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट की पहुंच, स्पीड और डिजिटल साक्षरता अभी भी कम है। भारत में करीब आठ लाख साइबर सुरक्षा पेशेवरों की कमी है। डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 के बावजूद, डेटा दुरुपयोग और गोपनीयता उल्लंघनों की चिंता बनी हुई है। 61 फीसदी कंपनियां डेटा गोपनीयता का दुरुपयोग कर रही हैं। 5जी का अनियमित रोलआउट, और फाइबर-ऑप्टिक कवरेज की कमी, डिजिटल पहुंच को सीमित करती है। मोबाइल इंटरनेट स्पीड (2024) में भारत 25वें स्थान पर था। नीतिगत बदलाव, क्षेत्राधिकारों का ओवरलैप, और स्पेक्ट्रम नीलामी में देरी 5जी रोलआउट और व्यवसायों पर बोझ डालती है। भारतीय अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद द्वारा जारी भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था रिपोर्ट, 2025 के अनुसार भारत तीसरी बड़ी वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था है, लेकिन डिजिटल उपयोगकर्त्ता व्यय में हमारा स्थान 28वां है, जो प्रति व्यक्ति डिजिटेक उपयोग में अंतराल को दर्शाता है। भारत एआई (कृत्रिम मेधा) अनुसंधान में 11वें और एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर में 16वें स्थान पर है। डिजिटल मिशन की सफलता के लिए सरकार को डिजिटल डिवाइड को कम करने, साइबर सुरक्षा को मजबूत करने, डेटा गोपनीयता सुनिश्चित करने, बुनियादी ढांचे में सुधार करने, नियामक प्रक्रियाओं को सरल बनाने, ई कचरा का निपटान करने और डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने के साथ डिजिटल सेक्टर में निवेश बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

नीति आयोग
डॉ. अश्वनी महाजन

जीएम कृषि उत्पाद की पैरवी ठीक नहीं

> नीति आयोग के एक वर्किंग पेपर में भारत सरकार को सिफारिश की गई है कि वर्तमान में प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में जैव परिवर्द्धित (जीएम) कृषि उत्पादों के आयात को अनुमति दे दी जाए। इसमें नीति आयोग ने मक्का, सोयाबीन जैसी फसलों का उदाहरण भी दिया है, जिनके आयात को खोल दिया जाना चाहिए। इस वर्किंग पेपर की सिफारिशों के बाद भारतीय किसान संघ सहित किसान संगठनों की कड़ी प्रतिक्रिया आई है। भारत में खाद उत्पादों में जीएम बीजों का उपयोग और आयात वर्जित है, लेकिन कुछ समय से खाद्य तेलों की कमी के चलते खाद्य तेलों का आयात बढ़ रहा है, जिनमें से कुछ मात्रा में जीएम खाद्य तेलों का भी आयात अनजाने में हो रहा है।

कुछ दिन पहले नीति आयोग के एक वर्किंग पेपर में भारत सरकार को सिफारिश की गई है कि वर्तमान में प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में जैव परिवर्द्धित (जीएम) कृषि उत्पादों के आयात को अनुमति दे दी जाए। इसमें नीति आयोग ने मक्का, सोयाबीन जैसी फसलों का उदाहरण भी दिया है, जिनके आयात को खोल दिया जाना चाहिए। यह भी राय दी गई है कि सरकार इस समझौते में उन कृषि उत्पादों के आयात को भी खोलने का प्रस्ताव करे जिन्हें भारत में या तो पैदा नहीं किया जाता है या उनका उत्पादन इतना कम है कि उनके आयात से किसानों पर खास प्रभाव नहीं पड़ेगा। इनमें चावल, काली मिर्च, सोयाबीन तेल, झींगा, चाय, कॉफी, डेयरी उत्पादन, पोल्ट्री, सेब, बादाम, पिस्ता आदि का उदाहरण दिया गया है, जिनके आयात को नीति आयोग ने खोलने की सिफारिश की है।

इस वर्किंग पेपर की सिफारिशों के बाद भारतीय किसान संघ सहित किसान संगठनों की कड़ी प्रतिक्रिया आई है और इस संबंध में नीति आयोग की पुरजोर निंदा भी की गई है। यह कहा गया है कि ये सुझाव किसानों के हितों के प्रतिकूल हैं। भारतीय किसान संघ ने कहा है कि ये सुझाव देश और किसान हितों के खिलाफ हैं। नीति आयोग का अमेरिका के सामने घुटने टेकना अच्छा संकेत नहीं है। दूसरी ओर यह भी खबर है कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ताओं में अवरोध आ गया है क्योंकि सरकार अमेरिका की इस मांग की कि भारत, अमेरिका के जीएम कृषि उत्पादों और अन्य कृषि उत्पादों के लिए बाजार खोले, को मानने के लिए तैयार नहीं है। ऐसे में नीति आयोग का यह वर्किंग पेपर सरकार की स्थिति को समझ नहीं पा रहा है।

इसका यह भी मतलब हो सकता है कि नीति आयोग सरकार की जीएम विरोधी स्थिति को बदलने हेतु प्रयास कर रहा है। यह दोनों ही स्थितियां देश के लिए शुभ नहीं हैं। यह पहला अवसर नहीं है कि जब नीति आयोग ने जीएम फसलों की पैरवी की है। इससे पहले प्रो. अरविंद पनगरिया की अध्यक्षता में भी नीति आयोग ने जीएम फसलों के पक्ष में रिपोर्ट जारी की थी। उस समय भी इसका पुरजोर विरोध हुआ था । देश में लंबे समय से जीएम फसलों का विरोध चल रहा है। जीएम के पक्षधरों द्वारा लगातार जीएम के पक्ष में प्रयास किए जाते रहे हैं। लेकिन जीएम के पुरजोर विरोध और ठोस तर्कों के चलते, जीएम समर्थकों को सफलता हाथ नहीं लगी। इनके विरोध के कई कारण हैं- पहला कारण तो यह है कि अधिकांश जीएम फसलें शाकनाशक रोधी यानी हर्बिसाइड टोलरेंट हैं। यानी जब यह फसलें उगाई जाती हैं, तो उसके आसपास के जितने भी शाक हैं ,वे सभी शाकनाशकों द्वारा नष्ट किये जा सकते हैं और जीएम फसलों पर असर नहीं पड़ता। ऐसे वैज्ञानिक तथ्य मौजूद हैं जो यह साबित करते हैं कि यह शाकनाशक, कैंसरकारी यानी 'कोर्सोनेजेनिक' है। गौरतलब है कि जब इन शाकनाशकों का उपयोग जीएम फसलों के उत्पादन के दौरान किया जाता है तो उसके कुछ अवशेष अवश्य उन कृषि उत्पादों में रह जाते हैं, जो कैंसर का कारण बन सकते हैं। आंकड़े बताते हैं कि अमेरिका में प्रति लाख जनसंख्या पर 350 कैंसर के मरीज हैं जबकि भारत में यह आंकड़ा 100 प्रति लाख का है। इसका एक कारण जीएम फसलों में इस्तेमाल किए जाने वाले

शाकनाशकों का अधिक उपयोग भी है। हालांकि भारत में खाद उत्पादों में जीएम बीजों का उपयोग और आयात वर्जित है, लेकिन कुछ समय से खाद्य तेलों की कमी के चलते अमेरिका और अन्य देशों से खाद्य तेलों का आयात बढ़ रहा है, जिनमें से कुछ मात्रा में जीएम खाद्य तेलों का भी आयात अनजाने में हो रहा है। यह बात भारत सरकार ने पहले भी स्वीकार की है। इसके कारण भारत में कैंसर का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। 2000 में जहां मात्र 8 लाख कैंसर मरीज थे, वर्ष 2024 तक उनकी संख्या 15 लाख तक पहुंच चुकी है। जीएम खाद्य तेलों का सेवन भी एक कारण हो सकता है।

जीएम फसलों के आयात के विरोध का दूसरा कारण यह है कि वर्तमान में भारत के नियमों के अनुसार देश में जीएम फसलों के उत्पादन और आयात की अनुमति नहीं है। डब्ल्यूटीओ नियमों के अधीन हर देश को यह अधिकार है कि वह अपने देशवासियों के स्वास्थ्य के मद्देनजर अन्य देशों से आने वाले सामान पर रोक लगा सके। ऐसा संभव है कि अमेरिका से आने वाले जीएम उत्पादों को देश में आने से रोका जा सके। चूंकि भारत के किसान पहले से ही अपनी उपज के सही मूल्य न पाने के कारण आर्थिक रूप से नुकसान उठा रहे हैं, यदि अमेरिका से सस्ते जीएम उत्पादों को आने की अनुमति दे दी जाती है तो हमारे किसानों को और अधिक नुकसान होगा। ऐसे में किसान यदि कृषि से बाहर होते हैं तो देश की खाद्य सुरक्षा ही खतरे में पड़ सकती है। तीसरे, भारत के फूड सिक्योरिटी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) द्वारा बनाए गए खाद्य सुरक्षा नियमों के तहत जीएम उत्पादों की बिक्री संभव नहीं है। ऐसे में देश में जीएम उत्पादों के आयात के बाद वे भारत की खाद्य शृंखला में शामिल हो जाएंगे, जिससे देश के नियमों का तो उल्लंघन होगा ही, देशवासियों के स्वास्थ्य पर भी खतरा मंडराने लगेगा। एक चौथा कारण, जो देश में जीएम उत्पादों के आयात के विरोध में जाता है, वो यह है कि जिन जीएम उत्पादों के आयात को खोलने हेतु नीति आयोग ने सिफारिश की है, वो अमेरिका में वास्तव में मनुष्य द्वारा उपभोग नहीं किए जाते। अमेरिका में मक्का और सोया का उपयोग अधिकांशतः जानवरों के चारे के रूप में किया जाता है या एथनॉल बनाने में। ऐसे जीएम उत्पादों का भारत की खाद्य शृंखला में शामिल होना देशवासियों के स्वास्थ्य के लिए ही हानिकारक नहीं है बल्कि यह देशवासियों का अपमान भी है। वैसे तो नीति आयोग में बैठे लोगों द्वारा जीएम उत्पादों की लगातार वकालत की ही जाती है, लेकिन देश में किसानों और प्रबुद्ध वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे विरोध के कारण और न्यायालयों द्वारा इस बाबत अनुमति न मिलने के कारण वे सफल नहीं हो पा रहे हैं। ऐसे में नीति आयोग द्वारा इस प्रकार की सिफारिशें उनकी किसानों के प्रति प्रतिबद्धता, देश के लोगों के स्वास्थ्य और देश की खाद्य सुरक्षा के प्रति उदासीनता की परिचायक हैं।

इसके अलावा, हमें यह भी समझना होगा कि भारत लगभग 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के कृषि खाद्य उत्पादों का निर्यात करता है और भारतीय खाद्य पदार्थों का मुख्य आकर्षण यह है कि वे गैर-जीएम टैग वाले होते हैं। जैसे ही जीएम हमारी खाद्य शृंखला में प्रवेश करता है, हम अपने निर्यात बाजारों का एक बड़ा हिस्सा खो सकते हैं, क्योंकि मध्य पूर्व के देश और यूरोपीय और कई अन्य देश जीएम खाद्य उत्पादों के आयात की अनुमति नहीं देते हैं। शायद, नीति आयोग द्वारा भारत में जीएम आयात और उत्पादन से जुड़े इस महत्वपूर्ण जोखिम को नहीं रखा गया है। भारत सरकार को नीति आयोग की इन सिफारिशों को दरकिनार करते हुए, अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों में इसे एक तर्क के नाते, देश के किसानों, डेयरी, खाद्य सुरक्षा और जनस्वास्थ्य की रक्षा करते हुए, व्यापार युद्ध में एक ढाल की तरह इस्तेमाल करना चाहिए।

यूनेस्को रिपोर्ट

मनोज कुमार अग्रवाल

दुनिया में शिक्षा से वंचित 27 करोड़ बच्चे, सरकारें दें ध्यान

संयुक्त राष्ट्र संघ की संस्था यूनेस्को की वैश्विक धरातल पर ताज़ा रिपोर्ट बताती है कि लगभग 27 करोड़ 20 लाख से अधिक बच्चे दुनियाभर में शिक्षा के अधिकार से वंचित रह जाते हैं। यह रिपोर्ट न केवल मनोवैज्ञानिक धरातल पर चौंकाती है, अपितु विश्व के अति ग़रीब और विकासशील देशों में आज भी करोड़ों बच्चों को समुचित शिक्षा न मिल पाने संबंधी चिन्ताजनक हालात को बयान करती है। एक ओर दुनिया के तमाम देश हथियारों की अंधी दौड़ में शामिल हैं और अपने कुल बजट का बड़ा हिस्सा हथियारों पर खर्च कर देते हैं। बता दें कि वैश्विक स्तर पर, 2023 और 2024 के बीच शिक्षा सहायता में 12% की गिरावट और 2027 तक 14% की और कटौती होने के कारण कुल शिक्षा सहायता में 2027 तक एक-चौथाई की गिरावट आने की आशंका है। यह निम्न आय वाले देशों के लिए महत्वपूर्ण है, जहां सहायता सार्वजनिक शिक्षा व्यय का 17% है और जहां कटौती से कुछ शिक्षा बजट आधे हो सकते हैं। 2030 तक अपने शिक्षा लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए देशों को प्रति वर्ष लगभग 100 बिलियन डॉलर का वित्तीय घाटा उठाना होगा। वैश्विक स्तर पर सरकारों, परिवारों और दानदाताओं द्वारा कुल शिक्षा व्यय में लगातार वृद्धि हुई है, लेकिन इससे प्रति बच्चे के आवंटन में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है। इस रिपोर्ट के अनुसार चिन्ता यह भी उपजती है कि विश्व धरातल पर अधिकतर देश शिक्षा संबंधी अपने निर्धारित लक्ष्यों से पिछड़ते जा रहे हैं। इस कारण यह आशंका भी उभरती है कि वर्ष 2025 के अन्त तक शिक्षा से वंचित रहने वाले विश्व भर के बच्चों की संख्या ताज़ा रिपोर्ट के आंकड़ों से कहीं अधिक हो सकती है। इतनी बड़ी संख्या में बच्चों के शिक्षा से वंचित रहने के वैसे तो अनेक कारण बताये जा सकते हैं किन्तु वर्तमान में दो बड़े कारण उभर कर सामने आते हैं। इनमें से एक तो यह है कि विश्व देशों में शिक्षा के प्रचार-प्रसार के दृष्टिगत विकासशील और ग़रीब देशों में स्कूलों में नये प्रवेशार्थियों की संख्या में 80 लाख से अधिक की वृद्धि हुई है जोकि कुल वृद्धि का 38 प्रतिशत बनती है। मौजूदा व्यवस्था इतनी बड़ी संख्या को सम्भाल पाने में समर्थ नहीं है। शिक्षा के अधिकार से वंचित कुल 27 करोड़ 20 लाख बच्चों में से 11 प्रतिशत अर्थात 7.80 करोड़ प्राइमरी स्कूलों से हैं। सैकेंडरी स्कूल तक के वंचित बच्चों की संख्या 6.40 करोड़ अर्थात कुल संख्या का 15 प्रतिशत और सर्वाधिक संख्या 13 करोड़ यानि 31 प्रतिशत सैकेंडरी से ऊपरी शिक्षा वाले बच्चों की है। स्कूलों में शिक्षा प्राप्त करने हेतु न जा पाने वाले बच्चों की संख्या में वृद्धि का एक और बड़ा कारण अफगानिस्तान और इसके जैसे कुछ अन्य अफ्रीकी कट्टरपंथी देशों में लड़कियों की शिक्षा प्राप्ति के अधिकार पर लगाया गया प्रतिबन्ध है। ऐसे देशों में लड़कियों की शिक्षा पर भांति-भांति के प्रतिबन्ध लगाये जाने से संयुक्त राष्ट्र संघ संस्था की इस संबंधी रिपोर्ट के आंकड़ों में भारी इज़ाफा हुआ है। वैश्विक धरातल पर बढ़ती जन-आबादी भी स्थितियों की इस भयावहता के लिए ज़िम्मेदार हो सकती है। बढ़ी आबादी में 6 से 17 वर्ष तक के बच्चों की संख्या कुल आबादी वृद्धि का 3.1 प्रतिशत अर्थात 4.90 करोड़ है। प्रायः इस आयु को स्कूल जाने वाले बच्चों का आधार रूप माना जाता है। स्कूल शिक्षा से वंचित बच्चों की संख्या में वृद्धि निरन्तर होते जाने का एक और बड़ा कारण विश्व-देशों में हो रहे युद्धों और छिट-पुट लड़ाइयों को भी माना जाता है। इनसे एक ओर जहां देशों में निष्क्रमण और प्रवासन बढ़ता है, वहीं आर्थिक स्थितियों का अवसान भी होता है। ये दोनों स्थितियां स्कूली उम्र के बच्चों को शिक्षा के अधिकार से बुरी तरह से प्रभावित करती हैं। यह संकेत भी प्राप्त होता है कि ये आंकड़े कम दर्ज किए गए हैं, क्योंकि विश्व के अनेक भागों में, भिन्न-भिन्न देशों में बाहरी, आपसी और भीतरी सशस्त्र टकराव चल रहे हैं जिनके कारण भीतर तक जा पाना संयुक्त राष्ट्र संघ जांच दलों के सदस्यों के लिए सम्भव नहीं था। यूनेस्को की रिपोर्ट हर साल शिक्षा की स्थिति पर एक व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है, जिसमें शिक्षा में असमानता, शिक्षा तक पहंच, गणवत्ता और समावेशिता जैसे मद्दे शामिल हैं। 2

भजन ही शरीर का प्राण है

संकलित
दर्शन

काकभुशुंडि जी कहते हैं, मेरे इस भाव परिवर्तन से मेरे परमकृपालु सदाशिव विश्वनाथ मुझ पर और भी अधिक प्रसन्न हो गए। उन्हें लगा कि मेरे इस भक्त (काकभुशुंडि) का प्रवेश मेरे हृदय में हो गया है और इसने देख लिया कि मेरे इष्ट तो बालक राम हैं, जो अयोध्या में दशरथ के अजिर में मालपुआ लेकर घूमते रहते हैं। काकभुशुंडि जी हमें और आपको यह बताना चाहते हैं कि जब उन्होंने कौआ होकर भी भगवान को पा लिया तो हम लोगों के भाग्य के लिए तो शब्द ही नहीं हैं। प्रभु श्रीरामचंद्र जी ने स्वयं भी समस्त चराचर के कल्याण के लिए मनुष्य का ही शरीर धारण कर लिया है। वे कहते हैं कि इस शरीर को पाने का मात्र एक ही लाभ है कि व्यक्ति भगवान का भजन करे। भक्त काकभुशुंडि ने मनुष्य शरीर से भजन करने के प्रताप और फल को बताते हुए कहा कि ज्ञानी ऋषि लोमश ने मेरे अंदर भक्ति के प्रति पक्षपात देखकर भले ही मुझे अपनी दृष्टि से कौआ बनने का शाप दिया था, पर वह मेरे लिए वरदान हो गया। महत्व इसका नहीं है कि हम किस शरीर, किस देश, किस जाति और धर्म के हैं। काकभुशुंडि जी कहते हैं कि महत्वपूर्ण यह है कि हम भगवान की भक्ति और भजन कर रहे हैं या नहीं? भजन ही शरीर का प्राण है। गोस्वामी जी ने इस बात पर जोर दिया है कि जिसने इस धरा पर जन्म लेकर भगवान का भजन कर लिया, बस वही धन्य है। उसी की विजय होती है, वही संसार में सबके प्रति विनयी होता है, वही गुणों की खान होता है और सारे विश्व में उसी का यश त्रैलोक्य में उजागर होता है, जिसने जन्म लेकर भगवान के दिए हुए इस शरीर का सदुपयोग कर लिया। यह मनुष्य शरीर बड़े भाग्य से मिला है।

मानवता भीतर के संस्कारों से पनपती है

संकलित
प्रेरणा

टी.एन. शेषन जब मुख्य चुनाव आयुक्त थे, तो परिवार के साथ छुट्टीयां बिताने के लिए मसूरी जा रहे थे। परिवार के साथ उत्तर प्रदेश से निकलते हुऐ रास्ते में उन्होंने देखा कि पेड़ों पर गौरैया के कई सुन्दर घोंसले बने हुए हैं। यह देखते ही उनकी पत्नी ने अपने घर की दीवारों को सजाने के लिए गौरैया के दो घोंसले लेने की इच्छा व्यक्त की तो उनके साथ चल रहे पुलिसकर्मियों ने तुरंत एक छोटे से लड़के को बुलाया, जो वहाँ मवेशियों को चरा रहा था। उसे पेड़ों से तोड़ कर दो गौरैया के घोंसले लाने के लिए कहा। लडके ने इंकार में सर हिला दिया। शेषन ने इसके लिए लड़के को 10 रुपये देने की पेशकश की। फिर भी लड़के के इनकार करने पर शेषन ने बढ़ा कर 50 रुपए देने की पेशकश की। फिर भी लड़के ने हामी नहीं भरी। पुलिस ने तब लड़के को धमकी दी और उसे बताया कि साहब जज हैं और तुझे जेल में भी डलवा सकते हैं। गंभीर परिणाम भुगतने पढ़ेंगे। लड़का तब श्रीमती और शेषन के पास गया और कहाः साहब, मैं ऐसा नहीं कर सकता। उन घोंसलों में गौरैया के छोटे बच्चे हैं अगर मैं आपको दो घोंसले दूं, तो जो गौरैया अपने बच्चों के लिए भोजन की तलाश में बाहर गई हुई है, जब वह वापस आएगी और बच्चों को नहीं देखेगी तो बहुत दुःखी होगी जिसका पाप मैं नहीं ले सकता। यह सुनकर टी.एन. शेषन दंग रह गए। शेषन ने अपनी आत्मकथा में लिखा हैः मेरी स्थिति, शक्ति और आईएएस की डिग्री सिर्फ उस छोटे, अनपढ़, मवेशी चराने वाले लड़के द्वारा बोले गए शब्दों के सामने पिघल गई।

अंतर्मन

आज की पाती

क्यों प्यासी है भारत की धरती

भारत दुनिया की 18 फीसदी आबादी और मात्र 4 फीसदी ताजे जल संसाधनों के साथ गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। भूजल का अत्यधिक दोहन, प्रदूषण, असंतुलित खेती और जलवायु परिवर्तन इसके प्रमुख कारण हैं। सरकारी योजनाओं और नीतियों के बावजूद कार्यान्वयन और जनभागीदारी की कमी से हालात बिगड़ते जा रहे हैं। जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाना, सूक्ष्म सिंचाई को बढ़ावा देना, जल की कीमत तय करना और पुनर्चक्रण को अनिवार्य बनाना समय की मांग है। जब तक नीति, व्यवहार और चेतना एक साथ नहीं बदलते, तब तक जल संकट भारत के भविष्य को चुनौती देता रहेगा। जल का संकट ऐसी विडंबना बन चुका है, जो हमारी योजनाओं, घोषणाओं और नीतियों पर सवाल उठाता है।

– शरद सक्सेना, धमतरी

ट्रेंड

सहकारी संघवाद

जीएसटी ने आर्थिक वृद्धि के लिए एक शक्तिशाली इंजन के रूप में काम करने के साथ भारत के बाजार को एकीकृत करने की इस यात्रा में राज्यों को समान भागीदार बनाकर सही मायने में सहकारी संघवाद को बढ़ावा दिया है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

क्वांटम प्रौद्योगिकी

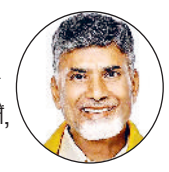

1995 में, मैंने युवाओं को सशक्त बनाने और राज्य के विकास के लिए निवेश आकर्षित करने के लिए नौकरियों का सृजन करने के लिए आंध्र प्रदेश में आईटी क्रांति का नेतृत्व किया था। आज, 2025 में, मैं क्वांटम प्रौद्योगिकी के लिए भी यही प्रतिबद्धता दिखा रहा हूँ।

-एन चंद्रबाबू नायडू, सीएम, आंध्र प्रदेश

जीएसटी में सुधार नहीं

आठ साल बाद, मोदी सरकार का जीएसटी कोई कर सुधार नहीं है। इसे गरीबों को दंडित करने, एमएसएमई को कुचलने, राज्यों को कमजोर करने और प्रधानमंत्री के कुछ अरबपति दोस्तों को लाभ पहुंचाने के लिए डिजाइन किया गया था।

-राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

हिंदी का विरोध

मैं तो समझता था हिंदी का विरोध सिर्फ साउथ में होता है। मुझे नहीं पता था कि महाराष्ट्र में भी इसका विरोध हो सकता है। कोई बताएगा इन्हें कि हम एक राष्ट्र में जी रहे हैं। एक राज्य में नहीं।

-मुकेश खन्ना, अभिनेता

करंट अफेयर

ब्रिटेन की 156 साल पुरानी 'रॉयल ट्रेन' सेवा होगी समाप्त

बकिंघम पैलेस ने कहा कि महाराजा चार्ल्स तृतीय ने स्वीकार किया है कि महारानी विक्टोरिया के समय से चल रही इस ट्रेन को बंद करने का समय आ गया है क्योंकि इसके परिचालन की लागत बहुत अधिक है तथा अधिक उन्नत रेल प्रणालियों के लिए इसमें महत्वपूर्ण बदलाव की आवश्यकता होगी। यह रॉयल ट्रेन नौ बोगियों का एक सुइट है और इसे किसी भी व्यावसायिक इंजन से जोड़ा जा सकता है। 2027 में इसके रखरखाव संबंधी मौजूदा अनुबंध खत्म होने से पहले इसकी सेवा को बंद कर दिया जाएगा। इस ट्रेन को महारानी विक्टोरिया ने 1869 में अपनी यात्राओं के लिए शुरू किया था।

ऑफ बीट

एचआईवी का इलाज उपलब्ध फिर भी उपचार की खोज?

एचआईवी के इलाज और रोकथाम के लिए बीते तीन दशक में उल्लेखनीय प्रगति हुई है और आधुनिक दवाओं की मदद से एचआईवी अब एक ऐसा संक्रमण बन चुका है जिसका इलाज हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि कोई एचआईवी संक्रमित व्यक्ति समय पर और नियमित रूप से एंटीरेट्रोवायरल दवाएं लेता है, तो उसकी जीवन प्रत्याशा लगभग सामान्य होती है। साथ ही ये दवाएं संक्रमण को दूसरे व्यक्तियों तक फैलने से भी रोकती हैं। हालांकि, एचआईवी का कोई प्रभावी टीका अब तक विकसित नहीं हुआ है।

संक्षेप

आरसीसी रोड का निर्माण

विधायक ने निरीक्षण में पाई खामियां, पीली ईंट हटाने का आदेश

सुलतानपुर, मुदुई नेवादा में विधायक निधि से बन रही आरसीसी रोड का विधायक मोहम्मद ताहिर खान ने आज निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सड़क निर्माण में कई खामियां सामने आईं। विधायक ने ठेकेदार को पीली ईंट तुरंत हटाने का निर्देश दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि गुणवत्ता में कमी बरतने पर कार्रवाई की जाएगी। सड़क निर्माण के लिए 160 मीटर की स्वीकृति दी गई है। विधायक ने कहा कि निर्माण कार्य में मानकों का पालन नहीं किया गया तो ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उनके आदेश पर पीली ईंटों को हटाने का काम शुरू कर दिया गया है। अब यह देखना होगा कि विधायक के आदेश का पालन होता है या नहीं।

सीएचसी में वन महोत्सव पर नई पहल

सात नवजात के परिवारों को मिले पौधे और ग्रीन गोल्ड सर्टिफिकेट

सुलतानपुर, मोतिगरपुर सीएचसी में वन महोत्सव सप्ताह के दौरान एक अनूठी पहल की गई। दो दिनों में जन्मे सात नवजात शिशुओं के परिवारों को पौधे और ग्रीन गोल्ड सर्टिफिकेट दिए गए। वन विभाग के निर्देश पर वन महोत्सव सप्ताह में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। रेंजर जयसिंहपुर मोहम्मद जायर ने चार नवजातों के परिवारों को पौधे और प्रमाणपत्र से सम्मानित किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोतिगरपुर के अधीक्षक डॉ. अवनीश मिश्र ने कहा कि यह पहल आने वाली पीढ़ियों को हरा-भरा भविष्य देने की दिशा में एक कदम है। इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम में डॉ. बिंदु यादव, डॉ. श्रुति, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी सत्यदेव सिंह, स्टाफ नर्स ममता दूबे, वन दरोगा चंद्र प्रकाश और दैनिक वाचर धर्मेंद्र सिंह सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

लंभुआ डिवीजन में दो माह से नहीं मिला वेतन

संविदा कर्मियों ने दी कार्य बहिष्कार की चेतावनी

सुलतानपुर, उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन के लंभुआ डिवीजन में संविदा कर्मचारियों को दो माह से वेतन नहीं मिला है। निविदा संविदा कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष आनंद कुमार अग्रहरि ने इस मुद्दे को उठाया है। कंपनी के एग्रीमेंट के अनुसार हर माह की 7 तारीख तक वेतन भुगतान अनिवार्य है। लेकिन पिछले दो महीनों से कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला है। इसके अलावा कर्मचारियों को पूरी सेफ्टी किट भी नहीं दी गई है। सेफ्टी बेल्ट और जूते जैसी आवश्यक सुरक्षा सामग्री भी उपलब्ध नहीं कराई गई है। अग्रहरि ने चेतावनी दी है कि अगर वेतन का भुगतान नहीं किया गया तो लंभुआ डिवीजन में पूर्ण कार्य बहिष्कार किया जाएगा। इस मौके पर संघ के जिला उपाध्यक्ष अमित कुमार दुबे, डिवीजन उपाध्यक्ष मनीष दुबे, संविदा कर्मचारी धर्मेंद्र मौर्य, सुनील कुमार और अरुण कुमार दुबे भी उपस्थित थे।

संचारी रोग व डायरिया से बचने की की गई तैयारी

आशा, एएनएम व सांगनियो को किया गया प्रशिक्षित

अमन लेखनी समाचार/संतोष मिश्रा

बहराइच। सामुदायिक स्वस्थ केन्द्र तेजवापुर मे विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अन्तर्गत 11 जुलाई से 31 जुलाई तक चलाने वाले दस्ताक अभियान व डायरिया नियंत्रण अभियान (स्टॉप डायरिया) का आशा ए एन एम व सांगनियो को प्रशिक्षित किया गया। अधीक्षक डॉ अभिषेक अग्निहोत्री ने बताया कि आगामी 11 जुलाई से 31 जुलाई तक आशा व आंगनवाड़ी की दो सादस्यी टीम के के द्वारा घरो का सर्वे किया जायेगा तथा जिसमे बुखार से पीड़ित, आई एल आई, टीबी के लक्षण युक्त व्यक्तियों की सूची फैलेरिया तथा कुष्ट के लक्षण युक्त व्यक्तियों की सूची व कुपोषित बच्चो की सूची तैयार की जाएगी। तथा लोगों को साफ सफाई व मक्षर जनित रोगों से बचने तथा घरों के भीतर व छत पर पड़े पुराने टायरो आदि मे बरसात का पानी न जमा होने देने के बारे मे जागरूक करेंगी ।तथा 0 वर्ष के 5 वर्ष के बच्चो के घरो मे स्टॉप डायरिया कार्यक्रम मे ओआरएस व जिंक की उपलब्धता व ओआरएस का घोल आदि बनाना आदि सुनिश्चित करेगी जिससे बच्चे गम्भीर डायरिया से बच सके। बुखार आदि से ग्रसित व्यक्तियों को नजदीकी आयुष्मान आरोग्य मन्दिर/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भेज कर जाँच व दवाएं आदि उयलब्ध कराएगी। बी सी पी एम रोहित वर्मा ने बताया कि यह 4 जुलाई से 8 जुलाई तक कुल चार बैचो मे कराया जा रहा है तथा किये गए घरो का भ्रमण ई-कवच पोर्टल पर भी आशाओ द्वारा ऑनलाइन भरा जायेगा। इस प्रशिक्षण में बीसीपीएम रोहित वर्मा, एएनएम सुशीला, सरिता, आरती व आशा व संगनी आदि लोग उपस्थित रहे।

जमीनी विवाद मे युवक पर धारदार हथियार से हमला, हालत गंभीर

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। थाना रूपईडीहा अंतर्गत मिजार्पुर चहलवा मे जमीनी विवाद मे युवक पर दबंगो ने हमला कर दिया। हमले मे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। बहराइच मे भर्ती युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस को दिये प्रार्थना पत्र के अनुसार मिजार्पुर चहलवा निवासी रामनरेश बीते गुरुवार को अपना खेत जुतवाने, बोने गए हुए थे। जहां विपक्षी रोहित सिंह, अरविंद कुमार, सिकोटी, आदि के द्वारा खेत जोतने से रोका गया। विवाद बढ़ने पर विपक्षीयों द्वारा जानलेवा हमला कर दिया गया जिसमें रामनरेश के सिर मे गंभीर चोटे आयी। सूचना पर मौके पर पहुंचे हल्का इंचार्ज सहित अन्य पुलिस घायल को थाने ले गई तथा वहां से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चर्दा पहुंचा कर घरवालों को सूचना दिए बिना वापस चली आई। हालत गंभीर देखते हुये घायल को जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। जहां जिला अस्पताल मे घायल की हालत गंभीर बनी हुई है। पीड़ित के भाई के अनुसार मुकदमा पंजीकृत हो गया है। पर अभी तक थाने से कोई सिपाही जिला चिकित्सालय मेडिकल करवाने नहीं पहुंचा है। और ना ही अभी तक किसी की गिरफ्तारी हो सकी है।

दिव्यांग जनों को मतदाता सूची में नाम जोड़ने की पहल

कोई भी दिव्यांग का नाम छूटने न पाए: उपजिलाधिकारी

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। कैसरगंज तहसील सभागार में शुक्रवार के दिन दिव्यांग अधिकारी बहराइच, उपजिलाधिकारी कैसरगंज की अध्यक्षता में मीटिंग की गई। जिसमें सभी बीएलओ को निर्देशित किया गया कि जितने भी दिव्यांग लोगों का नाम वोटर लिस्ट में मौजूद है उनको टैग कर दिया जाए एवं जिन दिव्यांग जनों का नाम वोटर लिस्ट में शामिल नहीं है उनको खोज खोज कर तत्काल प्रभाव से वोटर लिस्ट में नाम शामिल करने की प्रक्रिया तेज करें, ताकि सरकार के मनसा अनुसार कोई भी दिव्यांग का नाम वोटर लिस्ट से छुटने ना पाये। कैसरगंज तहसील सभागार में दिव्यांग अधिकारी बहराइच बीपी सत्यार्थी, नायब तहसीलदार कैसरगंज विश्वेश्वर शर्मा, तहसीलदार प्रभारी सचिन श्रीवास्तव, जरवल नायब तहसीलदार बृजेश वर्मा एवं कैसरगंज विधानसभा क्षेत्र के सभी बीएलओ मौजूद रहे।

जल जनित बीमारियों से बचाव हेतु करें जागरूकः डॉ महेश विश्वकर्मा

दस्तक एवं संचारी रोग नियंत्रण अभियान का प्रशिक्षण सम्पन्न

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। विशेष संचारी रोग व दस्तक नियंत्रण अभियान कार्यक्रम को सुचारु रूप से जन-जन तक पहुंचने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चरदा में सम्बंधित आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं आशा बहुओ को प्रशिक्षित किया गया। डॉ महेश विश्वकर्मा अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चरदा की अध्यक्षता में दस्तक व संचारी रोग नियंत्रण अभियान को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चरदा क्षेत्र में कार्यरत सभी आशा बहुओ एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण हाल में संचारी रोग व दस्तक नियंत्रण अभियान की जानकारी देते हुए चिकित्सा अधीक्षक डॉ महेश ने 01 जुलाई से माह के अंत तक चलने वाले संचारी रोग एवं दस्तक अभियान की जानकारी दी। श्री डॉ विश्वकर्मा ने बताया कि बारिश का मौसम शुरू होने के साथ ही डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, जापानी इंसेफेलाइटिस बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए गांव में गर्भवती महिलाओ कों तीन माह तक फोलिक एसिड, टेबलेट देना, प्रसव जन्म की सूचना, पांच साल तक के बच्चों व मातृ मृत्यु की सूचना समय पर उपलब्ध कराने के साथ साफ सफाई, एंटी लार्वा का छिड़काव,गन्दा पानी, झांड- झाड़ियों आदि कों समय से कटवाने, जल भराव कों रोकने आदि की जानकारी देने के साथ समस्त ग्रामीणों कों स्वच्छता के लिए जागरूक करने की जानकारी दी गई। इस मौके पर हरिराम आर्य स्वास्थ्य पर्यवेक्षक, सत्येंद्र मिश्रा यूनिसेफ बीएमसी सहित अन्य लोग उपस्थिति रहे।

संस्थागत प्रसव के महिला को अधीक्षक ने भेंट किया ग्रीन गील्ड व पौधा का उपहार

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रमपुरवा तेजवापुर के अधीक्षक डॉ अभिषेक अग्निहोत्री ने संस्थागत प्रसव कराने वाली मां को नवजात के साथ एक फलदार पौधा और ग्रीन गील्ड प्रमाण पत्र भेंट किया। उन्होंने कहा कि पौधे की देखभाल मां को बच्चें के टीकाकरण की याद दिलायेगी। जैसे-जैसे बच्चा बढेगा, पौधा भी पेंड बनकर ममता का हरित प्रतिफल देगा। यह सरकार की नीति का हिस्सा है, जो संस्थागत प्रसव, मातृ-शिशु स्वास्थ्य और स्वच्छ पर्यावरण को एक साथ जोड़ती है। इस मौके पर बीसीपीएम रोहित वर्मा, बीपीएम अनुराधा कुशवाहा समेत अन्य मौजूद रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चरदा में आज लगेगा रक्तदान शिविर

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चरदा में 5 जुलाई (शनिवार) को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर महेश विश्वकर्मा ने बताया कि सुबह 10 बजे से शिविर शुरू होगा। रक्तदान को महादान बताते हुए उन्होंने स्थानीय समाजसेवी संस्थाओ, जिम्मेदार नागरिकों, युवाओं आदि लोगों से बढ़-चढ़कर रक्तदान करने के लिए आवाहन किया है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि रक्तदान से हजारों व्यक्तियों को प्रतिदिन जीवन दान मिलता है। लोगों की जिंदगी को बचाने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें एवं रक्तदान करने के इच्छुक व्यक्ति शिविर में अपना समय देकर रक्तदान करें साथ ही अन्य लोगों को भी रक्तदान करने के लिए प्रेरित करें।

रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

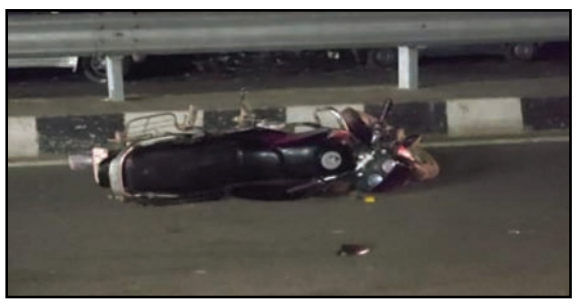

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा, बहराइच। स्थानीय थाना क्षेत्र अंतर्गत रूपईडीहा के मुस्कान होटल के सामने गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। युवक को विपरीत दिशा से आ रही रोडवेज बस ने जोरदार टक्कर मार दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रामानंद यादव (25 वर्ष), पुत्र आसाराम, निवासी ग्राम तिगड़ा, थाना रूपईडीहा, मोटरसाइकिल से रूपईडीहा से बाबागंज की ओर जा रहा था। जैसे ही वह मुस्कान होटल के पास पहुंचा, तभी बाबागंज की ओर से आ रही रोडवेज बस ने उसे कुचल दिया। प्रत्यक्षदर्शी शब्बीर अहमद ने तत्काल थाने में फोन करके सूचना दी। हादसे में रामानंद की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक रूपईडीहा रमेश रावत व उपनिरीक्षक विजय कुमार मौके पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर परिजनों को सूचित किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बहराइच भेजा गया है। पुलिस ने रोडवेज बस को कब्जे में लेकर थाने में खड़ा करा दिया है और आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सपा से निष्कासित विधायक का स्वागत

समर्थकों ने किया अभिनंदन, राकेश प्रताप ने कहा– सनातन विरोधी दल से मुक्ति मिली

संवाददाता

अमेठी जिला, समाजवादी पार्टी से निष्कासित विधायक राकेश प्रताप सिंह का गौरीगंज में जोरदार स्वागत हुआ। लखनऊ से गौरीगंज तक के सफर में हजारों समर्थकों ने उनका स्वागत किया। रास्ते में सैकड़ों जगहों पर कार्यकताओं ने फूल बरसाए। ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच हजारों वाहनों का काफिला उनके साथ चला। राकेश प्रताप ने सोशल मीडिया पर इस स्वागत को ईश्वरीय कृपा बताया। विधायक ने कहा कि सनातन धर्म का अपमान करने वाले दल का सदस्य होना उनके लिए कलंक था। उन्होंने बताया कि पार्टी में रहते हुए भी वे सनातन विरोधी बयानों का विरोध करते थे। सपा से निष्कासन के बाद वे इस कलंक से मुक्त हो गए हैं। राकेश प्रताप ने कहा कि गौरीगंज के लोगों का यह समर्थन उनकी असली पूंजी है। उन्होंने कहा कि लोगों का विश्वास 'जहां राकेश, वहां गौरीगंज' उनके हौसले को मजबूत करता है। यह समर्थन सनातन विरोधियों से लड़ने की शक्ति देगा। विधायक ने कहा कि गौरीगंज किसी दल का गुलाम नहीं है। यह अपनी मिट्टी और अपने लोगों का साथी है। उन्होंने जनता के प्यार और आशीर्वाद के लिए आभार जताया।

चकिया रेंज द्वारा पचपेड़वा में आयोजित हुआ पौधरोपण

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। तहसील नानपारा के अंतर्गत ग्राम पंचायत पचपेड़वा में बलहा विधायक सरोज सोनकर के आवास के पास वन रेंज चकिया द्वारा पौधारोपण कराया गया जिससे आम के बीस तथा पपीता के पचास पौधा का रोपण हुआ। वन क्षेत्राधिकारी वीके मिश्रा ने बताया कि वन महोत्सव के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम चलाया जा रहा है विधायक निवास पर पौधारोपण किया गया। इस मौके पर बलहा विधायक सरोज सोनकर, वन क्षेत्राधिकारी वीके मिश्रा सहित वन विभाग की टीम से बृजेश कुंवर, अनुराग श्रीवास्तव, राजेंद्र प्रसाद व अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

मशहूर है सैयद बाबा का छण, जहां पूरी होती हैं मन्नतें

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। तहसील नानपारा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सरैया में मशहूर है सैयद बाबा का छण। यहां पर हर साल की तरह इस साल भी मोहर्रम की सातवीं तारीख से लेकर नवी तारीख तक निरंतर जायरीनों की भीड़ इकठ्ठा रहती है। बता दें कि यहां छण में लोग अपनी मन्नत का कपड़ा बांधते हैं यह कपड़ा हरे रंग का होता है। यहां पर बने चबूतरे पर जायरीन अपने मन मुराद लिए हुए कपड़े बांधते हैं। अपनी मन्नत मांगते हैं और उनकी मन्नते पूरी होती हैं। इस मामले में जब इस संवाददाता ने जायरानों से बात की कि तो जायरीनों में भोला खां, जहूर खां, असलम खां आदि ने बताया कि हम सब की आस बाबा से जुड़ी हुई है। हम लोग हर साल जियारत के लिए के लिए यहां आते रहते हैं और जो मन्नत मांगते हैं वह पूरी होती हैं। मोहर्रम की सातवीं तारीख से सुबह से लेकर शाम तक लोगों का ताता लगा रहता है। कई वर्षों से बराबर यहां पर जायरीन आते हैं और अपने मन की मुराद मांगते हैं। मिठाई और चढ़ावा के लिए शीरनी चादर कपड़े आदि की दुकान पूरे गांव में लगी रहती हैं। यहां का यह दृश्य देखते ही बनता है। इस दौरान जायरीन दिल खोलकर कपड़ा शीरनी नजरो नियाज पेश करते हैं। जायरीनों की भीड़ चबूतरे तक पहुंचने व अपनी मन्नत मांगने के लिए कतार में लगी रहती है।

कब्रिस्तान में शव दफन को लेकर विवाद

कैंसर पीड़ित की मौत पर दो समुदायों में तनाव, दूसरी जगह किया दफन

अमन लेखनी समाचार

सुलतानपुर, लंभुआ कोतवाली क्षेत्र में मकसूदन ग्राम सभा में एक कैंसर पीड़ित व्यक्ति के अंतिम संस्कार को लेकर विवाद खड़ा हो गया। 35 वर्षीय वहीद अहमद की मृत्यु के बाद कब्रिस्तान में दफन के लिए जगह को लेकर दो समुदायों के बीच मतभेद उत्पन्न हो गया। वहीद अहमद लंभुआ कस्बे में राजेश बरनवाल की साइकिल की दुकान पर काम करता था। वह कैंसर से पीड़ित था और इलाहाबाद के कमला नेहरू हॉस्पिटल में उसका इलाज चल रहा था। उसके दो बच्चे हैं - 8 वर्षीय अरशद और 5 वर्षीय हमजा। मृतक के परिवार का आरोप है कि कब्रिस्तान में दफन के लिए गड्ढा खोदने से उन्हें रोका जा रहा है। दूसरे समुदाय के लोगों ने उस स्थान पर गड्ढा खोदने से मना कर दिया। इस विवाद की सूचना पुलिस को दी गई। मामले को सुलझाने के लिए स्थानीय पुलिस, राजस्व प्रशासन और नायब तहसीलदार मौके पर पहुंचे। प्रशासन ने जहां अंतिम संस्कार के लिए जगह चिह्नित की थी, उसके बजाय मृतक के परिजन मामपुर ग्राम सभा के कब्रिस्तान में दफन के लिए राजी हो गए। प्रशासन की मौजूदगी में स्थिति को नियंत्रित किया गया।

थाना प्रभारी अखिलेश सिंह ने बताया कि स्थिति नियंत्रण में है।

राशन कोटे को लेकर महिलाओं का विरोध

शिवगढ़ जलालपुर की महिलाओं ने एसडीएम कार्यालय पर किया प्रदर्शन, गांव में हीं चाहिए कोटा

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जिला, शिवगढ़ जलालपुर की महिलाओं ने उपजिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। महिलाओं की मुख्य मांग थी कि उनके गांव का राशन कोटा वहीं रहे। दो दर्जन से अधिक महिलाएं कोटेदार के साथ दोपहर बाद कार्यालय पहुंचीं। कोटेदार रेखा ने बताया कि नेटवर्क न होने से मशीन नहीं चल रही थी। वह अपने मामा के यहां गई थीं। इस दौरान जांच टीम ने ताला तोड़कर जांच की। कोटेदार ने जांच टीम पर आरोप लगाए। महिलाओं का कहना था कि गांव से दूर राशन लेने में उन्हें परेशानी होती है। प्रदर्शनकारी महिलाएं कोतवाली भी गईं। प्रभारी निरीक्षक की अनुपस्थिति में वे वापस लौट आईं। उन्होंने एसडीएम के स्टेनो को शिकायती पत्र सौंपा। सप्लाई इंस्पेक्टर शुभम ने कोटेदार के आरोपों को निराधार बताया है।

निर्माणाधीन मकान में हादसा

शटरिंग के दौरान मकान मालिक को करंट लगा, मेडिकल कॉलेज में भर्ती

अमन लेखनी समाचार

अलीगढ़ , थाना रोरावर इलाके में एक निर्माणधीन में हादसा हो गया। काम करते समय करंट लगने से मकान स्वामी झुलस गया। परिजनों ने उसको जवाहरलाल मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। जहाँ उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, शहर के गोंडा रोड़ स्थित नीबरी के पास आले हसन परिवार के साथ रहते हैं। मेहनत मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करते हैं। शाहजमाल गली नम्बर 13, कयूम नगर के रहने वाले रिश्ते के भाई ल्याकत अली ने बताया कि आले हसन का मकान बन रहा है। उसमें मजदूर काम कर रहे थे। उनके साथ आले हसन भी हाथ बटा रहे थे। इसी बीच शटरिंग का काम चालू था। तभी उनको बिजली का करंट लग गया। करंट लगने से उनके पैर की स्किन बुरी तरह से जल गई है। साथ ही सिर में गम्भीर चोट आई है। उनकी चीख पुकार सुनकर मजदूर एकत्र हो गए । परिजन भी आ गए। बिजली लाइन काटकर उनको इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहाँ से डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार देने के साथ जेएन मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जिला अस्पताल के डॉक्टर फारूख अंसारी के अनुसार मरीज को परिवार के सदस्य लेकर आये थे। उनकी हालत गम्भीर थी। इसकी सूचना सम्बन्धित थाना पुलिस को भेज दी है। उधर, मरीज का मेडिकल कॉलेज में इलाज जारी है। हादसे के बाद परिजन बहुत परेशान हैं।

संक्षेप

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

अमन लेखनी समाचार

मथुरा-आगरा रेलवे ट्रैक पर कल शाम एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार पौरी गांव निवासी भीमसेन (19) पुत्र उत्तम सिंह कल दोपहर बाद शौच जाने के लिए ट्रैक पार कर रहा था तभी दिल्ली की ओर से आती ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलती ही पूरे परिवार में कोहराम मच गया।

परिक्रमा मार्ग में श्रद्धालु की मौत

अचानक अचेत होकर परिक्रमा मार्ग पर गिर पड़ा था श्रद्धालु

अमन लेखनी समाचार

मथुरा/गोवर्धन मुड़िया पूर्णिमा मेले में परिवार के साथ गिरिराजजी की परिक्रमा देने आए एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार जयपुर के मडौल गांव के रहने वाले सीताराम (55) पुत्र महादेव अपने परिवार के साथ कल दोपहर गिरिराज जी की परिक्रमा देने आए थे सायंकाल उन्होंने परिक्रमा शुरू की तभी बड़े परिक्रमा मार्ग में वह अचेत होकर यकायक गिर गए। उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुचाया गया जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार की मौके पर हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

मथुरा/बलदेव बरौली क्षेत्र में ट्रैक्टर ट्रॉली ने बाइक में टक्कर मार दी जिससे उसमें सवार युवक की मौक पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र नन्दू की गढ़ी का रहने वाला ओमवीर (34) अपनी मौटरसाइकिल से बरौली की ओर जा रहा था। तभी रास्ते में तेजगति से आती ट्रैक्टर ट्रॉली ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी जिसे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पूरे परिवार में कोहराम मच गया। पोस्टमार्टम गृह पर परिजनों ने बताया। मृतक के छोटे-छोटे बच्चे हैं और परिवार के भरण-पोषण की उसी पर जिम्मेदारी थी।

सड़क से सलाखों के पीछे पहुंचे बाइक चोर

पुलिस ने खोला पुराना आपराधिक रिकॉर्ड, 11 दुपहिया वाहन और 10 मोबाइल बरामद

गाजियाबाद , टीला मोड़ थाना पुलिस ने वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने गिरोह के सरगना सद्दाम सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से 5 स्कूटी, 6 मोटरसाइकिल और 10 मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। पुलिस के मुताबिक बाइक चोरी की शिकायत के बाद चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध बाइक पर सवार तीन युवकों को रोका। पूछताछ में उन्होंने चोरी की वारदातों को स्वीकार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों में सद्दाम, नदीम, साजिद, समीर और सूरज शामिल हैं।

जिला राइफल एसोसिएशन मथुरा के तत्वावधान में विजेताओं को मिले पुरस्कार

खेल से शारीरिक मानसिक और सामाजिक सुधार होता है: डीएम

अमन लेखनी समाचार

मथुरा जिला राइफल एसोसिएशन मथुरा के तत्वाधान में बीएसए कॉलेज मथुरा में आयोजित 27वीं प्री यू पी स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप के पुरस्कार वितरण समारोह में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं अध्यक्ष यू पी स्टेट राइफल एसोसिएशन श्याम सिंह यादव ने विजेताओं को सम्मानित किया। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों एवं खिलाड़ियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रतियोगिता की सफलता पर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। उन्होंने सभी को खेलों के प्रति प्रोत्साहित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि खेलों से शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। उन्होंने अभिभावकों से कहा कि जब आपका बच्चा खेलों में भाग लेता है, तो उनमें सामाजिक कौशल का बहुत अच्छा विकास होता है। खेलों के दौरान आपका बच्चा अन्य बच्चों से मिलता है और उनसे बातचीत करता है। यह उसके समाजिक कौशल के विकास में सहायक होता है। श्री श्याम सिंह यादव पूर्व सांसद एवं अध्यक्ष यू पी स्टेट राइफल एसोसिएशन ने कहा कि खिलाड़ी वो ही विजेता होता है जिसका दिल बड़ा होता है जो अपने खेल के साथ ही साथी खिलाड़ी का सहयोग करने की कोशिश करता है, वहीं असली खिलाड़ी होता है। खेल से सामाजिक भावना विकसित होती है, खेल में हार जीत महत्वपूर्ण नहीं है, खेल भावना से खेलना ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में आज एयर पिस्टल आईएसएसएफ चैंपियन ऑफ चैंपियंस बागपत के अभय धामा, दूसरे स्थान पर गाजियाबाद की अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाज संस्कृति बाना एवं तीसरे स्थान पर आगरा के मनु शर्मा रहे। एयर पिस्टल एन आर वर्ग में बागपत के ओजस्वी भारद्वाज चैंपियन ऑफ चैंपियंस बने, आगरा के कुशाग्र रत्नम द्वितीय तथा बागपत के सागर तोमर तृतीय स्थान पर रहे। एयर राइफल आईएसएसएफ वर्ग में हापुड़ की संयुक्ता चैंपियन ऑफ चैंपियंस बनी, बरेली के सक्षम द्वितीय तथा गौतमबुद्ध नगर के जितेंद्र कुमार मीणा तृतीय स्थान पर रहे। एयर राइफल एन आर वर्ग में मुजफ्फरनगर के रवि चैंपियन ऑफ चैंपियंस, बुलंदशहर के निशांत कुमार द्वितीय तथा वृंदा महाजन तृतीय स्थान पर रहे। चारों वर्गों में विजेता खिलाड़ियों को क्रमशः 7100 रु, 5100 रु, 3100 रु एवं पदक देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम संयोजक नगर मजिस्ट्रेट राकेश कुमार एवं जिला राइफल क्लब कोच मनीष चौधरी ने सभी अतिथियों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। पुरस्कार वितरण समारोह का संचालन शूटिंग कोच मुकेश चौधरी एवं वेदप्रकाश शर्मा ने किया। इस अवसर पर सुरेन्द्र कुमार अपर जिलाधिकारी न्यायिक, राजीव कुमार सिंह पुलिस अधीक्षक नगर, डा ललित मोहन शर्मा प्राचार्य, श्री जी एस सिंह महासचिव यू पी स्टेट राइफल एसोसिएशन, सादिक अनीश, कैप्टन फरीदुद्दीन, सूबेदार विजय सिंह चंदेल, मनीष बालियान, विकास तोमर, डा हिमानी सिंह, रोहनदेव सिंह, राहुल पंवार आदि उपस्थित रहे।

मेजर जनरल मनोज तिवारी ने मथुरा में अग्निवीर भर्ती के केंद्रों का निरीक्षण किया

अमन लेखनी समाचार

मथुरा। मुख्यालय भर्ती जोन लखनऊ के जोनल रिक्रूटिंग ऑफिसर मेजर जनरल मनोज तिवारी ने सेना भर्ती कार्यालय आगरा के अंतर्गत आनेवाले झांसी, आगरा और मथुरा स्थित ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा केंद्रों का जायजा लेने के लिए 03 और 04 जुलाई 2025 को दौरा किया। इस निरीक्षण दौरे का संचालन सेना भर्ती कार्यालय आगरा की निदेशक (भर्ती) कर्नल रिश्मा सरीन ने किया। इस दौरे का उद्देश्य अग्निवीर भर्ती के ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा केंद्रों की संचालन प्रक्रिया की जांच करना और निर्धारित मानकों एवं प्रक्रियाओं के पालन की पुष्टि करना था। गौरतलब है कि अग्नीवीर के विभिन्न श्रेणियों की ऑनलाईन लिखित परीक्षा 30 जून से चल रही है जो 10 जुलाई 2025 तक चलेगी। ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा भारतीय सेना की दो वर्ष पूर्व शुरू की गई एक पहल है जो अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया में एक क्रांतिकारी परिवर्तन है। इसके लागू होने के बाद से इस प्रणाली ने भर्ती प्रक्रियाओं को अधिक सुव्यवस्थित किया है । 03 जुलाई को मेजर जनरल तिवारी ने झांसी में अग्निवीर जनरल ड्यूटी श्रेणी के लिए आयोजित परीक्षा केंद्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने परीक्षार्थियों से सीधे संवाद किया और ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली के प्रति उनके अनुभवों को जानने का प्रयास किया। संवाद के दौरान मेजर जनरल तिवारी ने अभ्यर्थियों को परीक्षा की कठिनाई के स्तर पर अपने विचार साझा करने और सुधार हेतु सुझाव देने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने सेना की निष्पक्ष, प्रभावशाली और मेरिट आधारित भर्ती प्रक्रिया के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया। उनका प्रेरणात्मक संबोधन युवाओं का मनोबल बढ़ाने और भारतीय सेना की अवसर एवं समानता की भावना को पुनः सुदृढ़ करने में सहायक रहा। इस दौरान मेजर जनरल तिवारी ने परीक्षा के संचालन की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने लॉजिस्टिक व्यवस्थाओं की जांच की, निगरानी तंत्र की कार्यक्षमता का परीक्षण किया, अभ्यर्थियों की पहचान की पुष्टि की और सुरक्षा प्रबंधों का निरीक्षण किया। इस दौरान मेजर जनरल तिवारी ने कहा कि भारतीय सेना अपनी भर्ती प्रक्रियाओं को आधुनिक तकनीकी मानकों और युवाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप ढालने के लिए सतत प्रयासरत है।

ओबीसी, दलित और वंचित समाज के सशक्तिकरण की दिशा में निर्णायक पहल – श्याम शर्मा

अमन लेखनी समाचार

मथुरा।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने देशभर में ओबीसी, दलित और वंचित समाज को न केवल सम्मान दिया है, बल्कि उन्हें नीतिगत भागीदारी भी प्रदान की है। यह बात भाजपा महानगर मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कही। उन्होंने बताया कि भाजपा की राजनीति केवल नारों तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीन पर पिछड़े वर्ग को सशक्त बनाने का स्पष्ट उद्देश्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं ओबीसी वर्ग से हैं और उन्होंने सामाजिक न्याय को अपनी सरकार की प्राथमिकता बनाया है।आदिवासी महिला राष्ट्रपति – सामाजिक न्याय का प्रतीकश्याम शर्मा ने कहा कि भाजपा ने देश को पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू देकर यह सिद्ध किया है कि पार्टी वंचितों के उत्थान के लिए संकल्पित है, न कि केवल प्रतीकवाद के लिए प्रयासरत।भाजपा में सबसे अधिक ओबीसी प्रतिनिधित्वउन्होंने बताया कि भाजपा संगठन से लेकर संसद तक, ओबीसी वर्ग को सर्वाधिक प्रतिनिधित्व मिला है।यह केवल सत्ता की साझेदारी नहीं, बल्कि समाज को नेतृत्व देने का प्रयास है, भाजपा मीडिया प्रभारी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, कुछ राजनीतिक दल समाज को जाति के नाम पर बांटकर अपना अस्तित्व बचाना चाहते हैं।लेकिन अब ओबीसी समाज जागरूक हो चुका है। उसे अब भ्रमित नहीं किया जा सकता।उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा की नीतियां सबका साथ, सबका विकास के मूल मंत्र पर आधारित हैं। केंद्र सरकार की योजनाओं का सीधा लाभ वंचित समाज तक पहुँचा है, जिससे उनके जीवन में वास्तविक परिवर्तन आया है।

मथुरा जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद पर हाईकोर्ट का फैसला

हिंदू पक्ष की याचिका खारिज, शाही ईदगाह मस्जिद विवादित ढांचा नहीं

हिंदू पक्ष को बड़ा झटका, याचिका खारिज

अमन लेखनी समाचार

मथुरा मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद को लेकर लंबे समय से चले आ रहे विवाद में आज इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाते हुये शाही ईदगाह मस्जिद को विवादित ढांचा घोषित करने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की एकल पीठ ने यह फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया कि याचिका में पर्याप्त कानूनी आधार नहीं है। इससे पहले कोर्ट ने हिंदू पक्ष की याचिका पर मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था। यह याचिका श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह की ओर से दाखिल की गई थी, जिसमें मांग की गई थी कि मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद को बाबरी मस्जिद की तर्ज पर विवादित ढांचा घोषित किया जाए। हिंदू पक्ष का दावा था कि यह मस्जिद मूल श्रीकृष्ण जन्मस्थान के गर्भगृह पर बनी है, और वहां आज भी मंदिर के चिह्न मौजूद हैं। साथ ही यह भी कहा गया कि न तो ईदगाह के पास भूमि संबंधी वैध दस्तावेज हैं, न ही नगर निगम में कोई रिकॉर्ड या टैक्स भुगतान का प्रमाण। यहां तक कि बिजली चोरी के मामले भी इसके प्रबंधन के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज हैं। वहीं मुस्लिम पक्ष ने इन दावों का विरोध करते हुए अदालत में लिखित आपत्ति दाखिल की। उनका तर्क था कि यह स्थल लगभग 400 वर्षों से शाही ईदगाह के रूप में स्थापित है, और इसे विवादित घोषित करने की मांग तथ्यहीन और कानून की दृष्टि से अस्वीकार्य है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने याचिका पर 23 मई को निर्णय सुरक्षित रख लिया था, आज इसे औपचारिक रूप से खारिज कर दिया गया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मस्जिद को विवादित घोषित करने की याचिका में पर्याप्त ऐतिहासिक, कानूनी या प्रशासनिक आधार नहीं है। इस फैसले को हिंदू पक्ष के लिए झटका माना जा रहा है। हालांकि श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़े कुल 18 अन्य मामलों की सुनवाई हाईकोर्ट में अभी जारी है।

विवाद की पृष्ठभूमि क्या है?

मथुरा के कटरा केशव देव क्षेत्र की 13.37 एकड़ भूमि को लेकर वर्षों से विवाद चला आ रहा है। इस भूमि पर एक ओर श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर स्थित है, वहीं दूसरी ओर शाही ईदगाह मस्जिद भी इसी परिसर में मौजूद है। उपलब्ध जानकारियों के अनुसार, लगभग 11 एकड़ क्षेत्र को हिंदू पक्ष श्रीकृष्ण जन्मभूमि का हिस्सा मानता है, जबकि शेष भूमि को मुस्लिम पक्ष ईदगाह से संबंधित बताता है। हिंदू पक्ष का तर्क है कि 1670 में मुगल शासक औरंगजेब ने श्रीकृष्ण मंदिर को ध्वस्त कर उसी स्थान पर शाही ईदगाह मस्जिद का निर्माण कराया था। इसके विपरीत, मुस्लिम पक्ष इन दावों को ऐतिहासिक रूप से निराधार और असत्य मानते हुए खारिज करता आया है। इसी विवाद के तहत दाखिल एक याचिका पर आज, 4 जुलाई को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि शाही ईदगाह को विवादित ढांचा घोषित नहीं किया जा सकता। अदालत के इस निर्णय को पूरे मामले में एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जा रहा है।

बांके बिहारी सेवा समिति ने कराया 21 कन्याओं का सामूहिक विवाह सम्मेलन

अमन लेखनी समाचार

मथुरा। उत्तर प्रदेश के जनपद मथुरा में शुक्रवार को भड़रिया नौमी के पर्व पर बांके बिहारी सेवा समिति द्वारा 21 वर कन्याओं का सामूहिक विवाह सम्मेलन द्वारा संपन्न कराया गया इस दौरान कस्बे का माहौल काफी उत्साहित नजर आया विवाह से पूर्व नगर में 21 दूल्हों की बारात निकाली गई बांके बिहारी सेवा समिति समय समय पर समाज कल्याण के कार्य कराती रहती है शुक्रवार को बांके बिहारी सेवा समिति द्वारा सर्व समाज सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन कराया गया सामूहिक विवाह समारोह में 21 गरीब परिवारों की बेटियों की शादी अभी सेवा सदन सादाबाद रोड बलदेव मथुरा में कराई गई जिसे लेकर समिति के पदाधिकारी काफी समय से तैयारियों में जुटे हुए थे सामूहिक विवाह समारोह से पूर्व बलदेव में 21 दूल्हों की एक भव्य बारात निकाली गई जो कि नगर के प्रमुख मार्गो से सादाबाद रोड बलदेव अभी सेवा सदन पर जाकर समाप्त हुई बारात का जगह जगह स्वागत किया गया इसके बाद कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर वरमाला कार्यक्रम के अलावा अन्य शादियों की रस्में निभाई गई बांके बिहारी सेवा समिति के सभी पदाधिकारीयों ने दूल्हा दुल्हन को आशीर्वाद दिया और उन दोनों के लिए उज्जवल भविष्य की कामना की बांके बिहारी सेवा समिति द्वारा 21 कन्याओं को फ्रिज अलमारी डबल बेड सोफा सेट सिंगार दानी वाशिंग मशीन कंबल 71 बर्तन गोदरेज कूलर आदि उपर दिए गए और बांके बिहारी सेवा समिति के अध्यक्ष अमित कुशवाहा ने कहा कि आगामी दिनांक 1 नवंबर 2025 दिन शनिवार देवोत्थान एकादशी पर भी बांके बिहारी सेवा समिति द्वारा गरीब लड़कों व लड़कियों का विवाह संपन्न कराया जाएगा

पत्नी ने अपने प्रेमी से करवाई अपने पति गोविंद की बेरहमी से हत्या

अमन लेखनी समाचार

अवैध संबंधों में रोड़ा बनने पर पत्नी और उसके प्रेमी ने मिलकर गोविंद को मौत के घाट उतार दिया था। ऐंच गांव में हुए हत्याकांड का कोसीकलां पुलिस ने खुलासा करते हुए मृतक की पत्नी और प्रेमी को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त आला कत्ल और खून से सनी टी-शर्ट समेत अहम सबूत बरामद किए हैं। ज्ञात रहे कि गत 1 जुलाई की रात ग्राम ऐंच में गोविंद पुत्र राजपाल की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई थी। पुलिस को पहले से ही शक था कि यह कोई सामान्य हत्या नहीं, बल्कि साजिश का नतीजा है। पुलिस ने जब मामले की तह तक जांच की तो कहानी का सच जानकार सामने आ गया। पुलिस के अनुसार गोविंद की पत्नी के गांव के ही युवक गुंजार उर्फ गुलजार उर्फ भोले पुत्र पुष्कर के साथ लंबे समय से अवैध संबंध थे। पति को जब इस संबंध की भनक लगी तो दोनों ने मिलकर उसे रास्ते से हटाने के लिए उसकी हत्या की साजिश रच डाली और इसी के तहत पुलिस ने दोनों किया गिरफ्तार गत 1 जुलाई की रात मौका देखकर गोविंद को बुलाया और कृष्णा भट्ठा की पथेर स्थित खेत में ले जाकर धारदार बांक से प्रहार कर गोविंद की बेरहमी से हत्या कर दी। घटना को के बाद आरोपी घटनास्थल से फरार हो गया और हथियार, टी-शर्ट आदि छिपा दिए। गुंजार उर्फ गुलजार उर्फ भोले को कल रात गांव चौडरस के पास से गिरफ्तार कर लिया। कोसीकलां पुलिस ने जब पूछताछ में सख्ती की तो गुंजार ने जुर्म कबूल कर लिया। उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त धारदार बांक और रक्तरंजित टी-शर्ट के अलावा मोबाइल फोन भूसे के ढेर से बरामद किए हैं। वहीं साजिश की मुख्य धार मृतक गोविंद की पत्नी को भी आज सुबह ऐंच स्थित उसके मकान से गिरफ्तार किया है।

केएम में हुआ इंसीजनल हर्निया का सफल ऑपरेशन

हर्निया विशेषज्ञ ने पेरिटोनियल फ्लैप हर्नियोप्लास्टी तकनीक के जरिए किया 1510 सेंटीमीटर के जटिल हर्निया का सफल ऑपरेशन

अमन लेखनी समाचार

मथुरा। केएम अस्पताल के सर्जरी विभाग ने चिकित्सा क्षेत्र में एक से एक महारथ हासिल की है। केएम मेडीकल एंड हॉस्पिटल के सीनियर प्रोफेसर एवं हर्निया स्पेशियलिस्ट डा. अजय जैन ने इंसीजनल हर्निया (15 10 सेंटीमीटर का जटिल हर्निया) का निःशुल्क सफल ऑपरेशन किया है, हॉस्पिटल से मरीज को 4 दिन में छुट्टी दे दी गई है, मरीज स्वस्थ है। मरीज व तीमारदारों ने प्रशंसा करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी और केएम अस्पताल की सर्जरी टीम का आभार जताया है। किरावली के गांव जीटोरा में रहने वाले फोरन सिंह के 40 वर्षीय पुत्र सुरेन्द्र सिंह के पूर्व दो ऑपरेशन हुए थे जिसके कारण उसे जटिल हर्निया हो गया था कई सालों से परेशान मरीज ने कई डाक्टर, अस्पतालां में दिखाया लेकिन चिकित्सकों उसका इलाज करने से मना कर दिया था, क्योंकि हर्निया बड़ा साइज का था। सुरेन्द्र सिंह अपने परिजनों के साथ केएम अस्पताल में पहुंचा जहां सर्जरी के हर्निया विशेषज्ञ डा. अजय जैन ने मरीज की सभी जांचे करवाने के बाद इंसीजनल हर्निया की पुष्टि की और मरीज को ऑपरेशन की सलाह दी और स्वीकृति मिलने के बाद सफल ऑपरेशन किया। सर्जरी विभाग के सीनियर प्रोफेसर डा. अजय जैन ने बताया कि मरीज सतेन्द्र सिंह लम्बे समय से जटिल हर्निया से परेशान था, इंसीजनल हर्निया जिसे चीरा हर्निया भी कहा जाता है, यह तब होता है जब पेट की सर्जरी के बाद, चीरे के स्थान पर पेट की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं। इसके कारण, पेट के अंदर के अंग (जैसे आंत) पेट की दीवार से बाहर निकलकर एक उभार बना देता है, यह उभार आमतौर पर पेट के उस जगह में दिखाई देता है जहां पहले सर्जरी हुई थी। मरीज के ऑपरेशन में पेरिटोनियल फ्लैप हर्नियोप्लास्टी एक शल्य चिकित्सा तकनीक का उपयोग किया गया है। पेट की दीवार में एक उभार की मरम्मत के लिए और खासकर बड़े हर्निया में इस तकनीक हर्नियल थैली (पेरिटोनियम) का उपयोग करके हर्निया दोष को बंद करने और जाल को इंट्रापेरिटोनियल (पेट के अंदर) और उपचर्म (त्वचा के नीचे) दोनों से अलग करने के लिए सहायक सिद्ध होता है। मरीज बिल्कुल स्वस्थ है, उसे छुट्टी दे दी गई है। सफल सर्जरी करने वाली टीम में सीनियर प्रोफेसर डा. यशपाल जिन्दल, एसोसिएट प्रोफेसर डा. संकल्प श्रीवास्तव, डॉ. अश्वनीष सिंघल डा. बच्चू श्रीवास्तव, डा. नवसंगीत, डॉ. शरद रेड्डी, डा. भूपेन्द्र, डा. आकाश नारा, डा. विवेक, डा. निधि द्विवेदी, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. अंचल जैन, डा. आशीष गुप्ता, डा. रुचिरा सरकार, ओटी टेक्नीशियन के अलावा व नर्सिंग विभाग से वार्ड इंचार्ज घनश्याम, रूपल, रिंकी, सतीश का विशेष सहयोग रहा। इस सफलता के लिए जिला पंचायत अध्यक्ष केएमयू के कुलाधिपति किशन चौधरी एवं कुलपति डा. एनसी प्रजापति, प्रति कुलपति डा. शरद अग्रवाल, मेडीकल सुप्रीटेंट डा. अभय सूद, एडीशनल मेडीकल सुप्रीटेंट डा. आरपी गुप्ता, मेडीकल प्राचार्य एवं डीन डा. पीएन भिसे व सर्जरी विभागाध्यक्ष डा. अजय अग्रवाल ने सर्जरी विभाग की चिकित्सकीय टीम को बधाई दी है।

केएम यूनिवर्सिटी की छात्रा की जहर खाने से हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

मथुरा। केएम यूनिवर्सिटी की एमएससी छात्रा ने जहर खाकर जान दे दी। पुलिस पूरे मामले की जांच-पड़ताल में जुटी है। छात्रा कल परीक्षा देकर वा पस घर लौटी थी। इसी के बाद उसकी दशा बिगड़ गई और उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार छाता कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत बरसाना रोड स्थित आदर्शनगर में किराये के मकान में रहने वाले राकेश पटेल की 26 वर्षीय बेटी साक्षी पटेल ने कल शाम जहर खा लिया जिससे उसकी दशा बिगड़ने लगी पड़ोसियों द्वारा उसे उपचार के लिए केडी हास्पिटल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मूल रूप से प्रतापगढ़ के रहने वाले राकेश पटेल छाता में किराये का मकान लेकर धागा फैक्ट्री में काम करते थे और उनकी बेटी साक्षी सौंख रोड स्थिति केएम यूनिवर्सिटी में एमएससी की छात्रा थी। कल दोपहर दूसरी पारी में परीक्षा देकर लौटने के बाद उसने जहर खा लिया उस समय उसके पिता नौकरी पर गए हुए थे। पड़ोसियों ने घटना की सूचना पिता को दी तो वह केडी हास्पिटल पहुंचे जहां डाक्टर ने बेटी को मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम गृह पर राकेश पटेल ने बताया कि वह अपनी पत्नी बेटे और बेटी के साथ यहां रहते थे। कुछ समय पहले ही पत्नी और बेटा अपने मूल आवास चले गए थे यहां वह उनकी पुत्री ही रह रहे थे। घटना को लेकर पुलिस पूरे मामले की जांच-पड़ताल में जुटी है वहीं घटना को लेकर आसपास के लोगों में तरह-तरह की चचाएँ की जा रही हैं।

भाई-भतीजी की बेरहमी से हत्या करने वाला खिल्लन गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

मथुरा गत दिनों गोविंद नगर क्षेत्र में पत्नी से अवैध संबंध के शक में बड़े भाई और भतीजी की चाकू प्रहार से हत्या करने वाले छोटे भाई खिल्लन को पुलिस ने देर रात गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार मुठभेड़ गोकुल रेस्टोरेंट के पास हुई, जहां आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में उसके दाएं पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। ज्ञात रहे कि गोविंद नगर क्षेत्र के कटरा केशव कालोनी निवासी खिल्लन पुत्र शंकरलाल ने पिछले दिनों अपने बड़े भाई संजय और भतीजी अंजलि की चाकुओं से गोदकर बेरहमी से हत्या कर दी थी। चीख-पुकार सुनकर पास के लोग जुटे, लेकिन आरोपी छत से कूदकर भाग निकला था। संजय की पत्नी भगवती की तहरीर पर थाना गोविंद नगर में हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें गठित की थीं। मुखबिर की सूचना पर गुरुवार देर रात करीब 1:45 बजे गोकुल रेस्टोरेंट के पास पुलिस ने घेराबंदी की। इस दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर तीन राउंड फायरिंग की, लेकिन पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए उसे मुठभेड़ के बाद पकड़ लिया। पुलिस ने उसके पास से एक तमंचा, एक कारतूस और एक चाकू बरामद किया है।

यूपी विधान परिषद की समीक्षा बैठक

मेरठ-हापुड़ के अधिकारियों को जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विकास समिति ने मेरठ और हापुड़ में विकास प्राधिकरण, आवास विकास परिषद और स्थानीय निकायों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की। विकास भवन सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता समिति के सभापति बृजेश कुमार सिंह 'प्रिन्शू' ने की। बैठक में विभागीय बजट, आय-व्यय की स्थिति और आय बढ़ाने के प्रयासों पर चर्चा हुई। कूड़ा प्रबंधन, जल निकासी और अवैध अतिक्रमण से भूमि को मुक्त कराने के मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया गया। नगर निकायों को आत्मनिर्भर बनाने और शहरी क्षेत्रों को मॉडल के रूप में विकसित करने की योजनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। सभापति ने अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों से प्राप्त विकास कार्यों के प्रस्तावों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के साथ नियमित संवाद स्थापित किया जाए। समिति ने नगर पालिका, नगर पंचायत और जिला पंचायत को आय बढ़ाने के लिए नए स्रोत तलाशने का सुझाव दिया। साथ ही वित्त विभाग से प्राप्त धन का अधिकतम उपयोग विकास कार्यों में करने पर जोर दिया गया। हापुड़ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ने समिति के सभापति और सदस्यों का पौधा भेंट कर और मोमेंटो देकर सम्मान किया।

आगामी त्यौहार के दृष्टिगत कानून एवं शान्ति व्यवस्था स्थापित करने के लिए ड्रोन से की जा रही है निगरानी

अफवाहों और असामाजिक तत्वों पर नजर रखने के लिए सोशल मीडिया की टीम द्वारा कड़ी निगरानी की जा रही है

अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश

अमन लेखनी समाचार

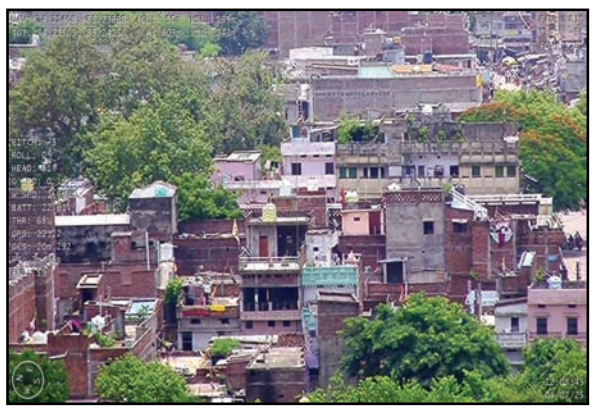

सोनभद्र। आगामी त्यौहार के अवसर पर शांति, सौहार्द कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु एवं अराजक तत्वों पर कड़ी नजर रखने के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा द्वारा दिये गये दिशा-निर्देश के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय/ऑपरेशन के पर्यवेक्षण में व समस्त क्षेत्राधिकारियों के नेतृत्व में आज दिनांक 04.07.2025 को जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों द्वारा मय पुलिस बल के साथ अपने-अपने थाना क्षेत्र के कस्बे, सकरी गलियों/रास्तों एवं मकानो/घरों के छतों और संवेदनशील और मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में ड्रोन कैमरों के माध्यम से जुलूस मार्गों, ताजिया यात्राओं और कर्बला स्थलों की निगरानी की जा रही है । निगरानी कर सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था सुदृढ़ किया जा रहा है और पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।त्यौहार को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाने के लिए प्रशासन का सहयोग करें । सोनभद्र पुलिस शांति,सौहार्द एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कटिबद्ध है ।

राजीव द्विवेदी बार एसोसिएशन अध्यक्ष पद के प्रबल दावेदार

अमन लेखनी समाचार

नसीराबाद,रायबरेली। छतोह ब्लॉक के ग्राम बभन पुर के निवासी एडवोकेट राजीव द्विवेदी ने वकीलों के बड़े और प्रतिष्ठित संगठन बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पद हेतु प्रबल दावेदारी करते हुए नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। वे बार एसोसिएशन सलोन के महामंत्री रह चुके हैं और अधिवक्ताओं के हित में हर संघर्ष के लिए तैयार रहते हैं। उनके सामने छतोह ब्लॉक के ही श्रीनाथ भारती मैदान में हैं। इसी प्रकार एडवोकेट संजय सिंह ने महामंत्री पद हेतु नामांकन प्रस्तुत करके एडवोकेट जग नारायण सिंह को चुनौती दी है। नामांकन पत्र दाखिल करते समय वरिष्ठ अधिवक्ता आर बी सिंह, राम सागर शुक्ल, अमरनाथ सिंह, नरेन्द्र त्रिपाठी, युवा अधिवक्ता रवि प्रकाश श्रीवास्तव, रामानुज पांडेय, वीरेंद्र यादव, ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, गौरव श्रीवास्तव, प्रवीण त्रिपाठी, अजय श्रीवास्तव, अमित शुक्ल, दिव्यम त्रिपाठी आदि बहुत से समर्थक अधिवक्ता मौजूद थे। बार एसोसिएशन सलोन के लगभग सभी पदों के लिए नामांकन पत्र दाखिल किए गए हैं और दावेदार जीत हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

जनपद के चारों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन 05 को

सम्पूर्ण समाधान दिवस घोरावल में सभी प्रकार के पेंशन, दिव्यांग प्रमाण-पत्र, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड के लाभ हेतु लगेगा कैम्प, योजना के लाभ हेतु प्रपत्र के माध्यम से लाभार्थी उठाये लाभ-जिलधिकारी।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने अवगत कराया है कि शासन की मंशा के अनुरूप जुलाई महीने के प्रथम शनिवार को जनपद के सभी तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन 05 जुलाई,2025 को किया जायेगा। उन्होंने बताया कि जुलाई महीने के प्रथम शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील ओबरा में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस ओबरा में जिलाधिकारी को प्रतिभाग करना था, किन्तु राजकीय कार्यहित में जिलाधिकारी तहसील घोरावल में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्रतिभाग किया जायेगा। समस्त सम्बन्धित अधिकारीगण भी सम्पूर्ण समाधान दिवस घोरावल में प्रतिभाग करेंगें।

जिलाधिकारी की अध्यक्षत में तहसील घोरावल में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के मौके पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा दिव्यांग प्रमाण-पत्र, आयुष्मान कार्ड, जिला प्रोबेशन विभाग, जिला समाज कल्याण विभाग, दिव्यांगजन शक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं से सम्बन्धित कैम्प/शिविर भी लगाया जायेगा, जिसमें नया पेंशन आनलाईन कराने के कराने के साथ ही पेंशन हेतु के0वाई0सी0 का भी कार्य कराया जायेगा। आयोजित कैम्प के माध्यम से केन्द्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से सम्बन्धित विभाग से जुड़े पात्र लाभार्थी आधार कार्ड, राशन कार्ड, मोबाइल नम्बर (ओ0टी0पी0 हेतु) के साथ स्वयं उपस्थित होकर योजनाओं के लाभ हेतु नया आवेदन, के0वाई0सी0 आदि कार्य करा सकते हैं।जिलाधिकारी ने बताया कि कैम्प में स्वास्थ्य विभाग द्वारा दिव्यांग प्रमाण-पत्र जारी जारी किया जायेगा, जिसके लिए आधार कार्ड, ओ0टी0पी0 के लिए मोबाईल का होना अनिवार्य होगा। इसी प्रकार से दिव्यांगत बोर्ड द्वारा दिव्यांगजनों का नवीन दिव्यांग प्रमाण-पत्र जारी किया जायेगा, जिस हेतु प्रमाण-पत्र बनवाने के लिए आनलाइन आवेदन किये गये फार्म की प्रति, आधार कार्ड की छायाप्रति व दिव्यांगता दशार्ते हुए चार फोटो की आवश्यकता होगी। दिव्यांगजन जिनका दिव्यांग प्रमाण-पत्र अभी तक नहीं बन पाया है विभाग के वेबसाइट संउइंदण्हवअण्पद पर आनलाइन कराकर तहसील रावटसगंज में उपस्थित होकर दिव्यांग प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकते हैं, जिससे वंचित दिव्यांगजनों को विभाग की योजनाओं का लाभ मिल सकें। जिला प्रोबेशन विभाग द्वारा संचालित योजना पति की मृत्यु उपरान्त निराश्रित महिला पेंशन का लाभ उठा सकते हैं, इस योजना के लाभ हेतु ऐसी महिलाएं जिनके पति की मृत्यु हो चुकी हो तथा उन्हें आर्थिक सहयोग की आवश्यकता है, को मासिक पेंशन के रूप में 1 हजार रुपए प्रदान की जाती है। मुख्यमंत्री कनया सुमंगला योजना के तहत समान लिंगानुपात स्थापित करने, कन्या भ्रूण हत्या को रोकने, बालिकाओं के स्वास्थ्य व शिक्षा को सुदृढ़ करने, बालिकाओं के परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करने तथा बालिकाओं के जन्म के प्रति आम जन में सकारात्मक सोच विकसित करने पर लाभ दिये जाने का प्राविधान है। इस योजना के लिए जनपद के निवासी, पारिवारिक वार्षिक आय अधिकतम 3 लाख रुपए तथा परिवार में अधिकतम दो बच्चे हों, को पात्र माना जायेगा, जिसके लाभ हेतु बच्चे और आवेदक का फोटो, बैंक खाते का विवरण, निवास प्रमाण-पत्र, श्रेणीवार आवश्यक जन्म प्रमाण-पत्र, टीकाकरण कार्ड, विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश का प्रमाण तथा आवेदक का आधार कार्ड लाना अनिवार्य होगा।इसी प्रकार से जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित वृद्धावस्था योजना के तहत ऐसे व्यक्ति जो ग्रामीण क्षेत्र हेतु आय 46 हजार 60 रुपए तथा नगरीय क्षेत्र हेतु वार्षिक आयु 56 हजार 460 रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए, ऑनलाइन आवेदन कर लाभ उठा सकते हैं।इसके लाभ हेतु उम्र 60 वर्ष पूर्ण हो, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, मोबाइल नम्बर ओ0टी0पी0 हेतु एवं एक पासपोर्ट साइस का फोटो के साथ वेबसाइड चल-नचण्हवअण्पद पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजनान्तर्गत राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजनान्तर्गत परिवार के मुख्य कमाऊ व्यक्ति (महिला/पुरुष) जिसकी उम्र 18 वर्ष से अधिक व 60 वर्ष से कम हो, की मृत्यु होने पर 30 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। ऑनलाइन आवेदन करने हेतु पासपोर्ट साइज का फोटो, आय प्रमाण पत्र ग्रामीण हेतु 46080 व शहरी क्षेत्र में 56460 वार्षिक आय से अधिक न हो, आधार कार्ड, आधार लिंक बैंक पासबुक, पारिवार रजिस्टर की नकल, मृतक के आनलाईन मृत्यु प्रमाण पत्र के साथ मृत्यु तिथि से 1 वर्ष के अन्दर तक विभाग के बेवसाइट दइिण्नचेकबण्हवअण्पद पर आवेदन किया जा सकता है।

बैंक के संविदा कर्मी को बाइक सवार दो युवकों ने मारी गोली, हालत गंभीर, ट्रामा सेंटर रिफर

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। के रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र में बैंक में कार्यरत संविदा कर्मी को आपसी रंजिश में बाइक सवार दो युवकों ने गोली मार दी। घटना के बाद युवा गंभीर रूप से घायल हो गया मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल युवक को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है युवक की गंभीर स्थिति देखते हुए उसे वाराणसी रेफर किया गया है। घटना के संबंध में परिजनों द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक युवक अनिकेत कुमार पुत्र शिव गोविंद निवासी ग्राम गौरी निस्फ कोतवाली रॉबर्ट्सगंज का रहने वाला है ,वह इंडियन बैंक की मधुपुर शाखा में संविदा कर्मी के तौर पर काम करता है गुरुवार की रात्रि साढ़े आठ बजे वह बैंक मैनेजर को घर छोड़कर के वापस अपने गांव जा रहा था इसी दौरान हिंदुआरी तिराहे पर बाइक सवार दो युवकों ने उसे गोली मार दी और मौके से फरार हो गए, घटना के बाद मौके पर पुलिस पहुंच गई और परिजनों को सूचना दी। एंबुलेंस की मदद से तत्काल युवक को जिला अस्पताल भेजा गया जहां से उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया है। घटनास्थल पर पहुंचे एसपी अशोक कुमार मीणा ने बताया कि युवक अपने घर वापस जा रहा था इसी दौरान अपाचे बाइक पर सवार दो युवकों ने पहले गाली गलौज की फिर गोली मार दी, परिजनों से तहरीर लेकर उचित धाराओ में मुकदमा दर्ज किया जा रहा है पुलिस और एसओजी की टीम घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी को खंगाल रही है ताकि मामले को वर्क आउट किया जा सके।

डॉ. संदीप के मुख्य आतिथ्य में मोहर्रम के सातवे दिन सेहराबंदी इबादत एवं लंगर प्रसादी वितरण

अमन लेखनी समाचार

झाँसी। वीरांगना लक्ष्मीबाई ताजिया कमेटी ट्रस्ट के तत्वाधान में राष्ट्रीय पर्व मोहर्रम की सातवीं तारीख पर ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अब्दुल रशीद की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किये गये। कार्यक्रम में सेहराबंदी इबादत एवं लंगर प्रसाद का वितरण राजशाही परंपरा को ध्यान में रखकर किया गया। इस अवसर पर संघर्ष सेवा समिति के संस्थापक एवं ट्रस्ट के संरक्षक डॉ० संदीप सरावगी मुख्य अतिथि व पत्रकार मुकेश त्रिपाठी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में लोगों का आवागमन बना रहा, डॉ संदीप ने अपने हाथों से भोजन वितरण कराया। इस अवसर पर डॉ० संदीप ने कहा झाँसी नगर महारानी लक्ष्मीबाई की ऐतिहासिक नगरी है। रानी लक्ष्मीबाई सभी धर्मों का समान आदर करती थी एवं उनकी सेना में कई सम्मानित मुस्लिम योद्धा थे। रानी के निवास स्थान रानी महल में प्रत्येक वर्ष रानी लक्ष्मीबाई मोहर्रम पर ताजिया बिठलवाती थी। जिसकी देखरेख ट्रस्ट के अध्यक्ष अब्दुल रशीद के पूर्वज कई दशकों से करते आ रहे हैं। यह ताजिया 10 दिन तक दर्शनार्थ रखा जाता है और आज भी शहर कोतवाल के मुख्य संरक्षण में समस्त कार्यक्रम आयोजित होते हैं। महारानी लक्ष्मी बाई के समय से ही यह आदेशित था कि ताजिया रखवाना और होलिका दहन शहर कोतवाल के संरक्षण में ही किया जाएगा, इस परंपरा को प्रशासन लगातार निभा रहा है, इस कार्य के लिए हम झाँसी प्रशासन की भी सराहना करते हैं। कार्यक्रम में ट्रस्ट के पदाधिकारी गण डॉ० सुदर्शन शिवहरे (राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष), मोहम्मद अकरम (महासचिव), शाहनवाज खान (संगठन मंत्री), डॉ मनमोहन मनु (मीडिया प्रभारी), हाजी मुन्ना मंसूरी, बलवीर चौधरी, उत्कर्ष साहू, वशीर मोहम्मद, आमिर अहमद, मोहम्मद अजहर, मोहम्मद सलीम, तरन्नुम जहां, असफिया, शमा कौशर का भी विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर संघर्ष सेवा समिति से संदीप नामदेव, महेंद्र रायकवार, आशीष विश्वकर्मा, अरुण पांचाल, राहुल रायकवार, राजू सेन, सूरज प्रसाद वर्मा, बसंत गुप्ता, राकेश अहिरवार, सुशांत गेंडा आदि उपस्थित रहे।

एसटी पास अब स्कूल में ही उपलब्ध!

15 दिनों में 5 लाख छात्रों को मिला लाभ, लड़कियों को मुफ्त पास

अमन लेखनी समाचार

मुंबई ,नए शैक्षणिक वर्ष की शुरूआत के साथ ही राज्य सरकार ने स्कूली और महाविद्यालयीन छात्रों को राहत देते हुए एसटी पास अब सीधे स्कूलों और कॉलेजों में वितरित करने की योजना शुरू की है। केवल 15 दिनों – यानी 16 जून से 30 जून के बीच – 5 लाख 21 हजार 354 छात्रों को इसका लाभ मिला है। यह जानकारी महाराष्ट्र राज्य परिवहन मंत्री और एसटी महामंडल के अध्यक्ष प्रताप सरनाईक ने दी। सरकार की योजना के तहत छात्रों को एसटी बस यात्रा के लिए मासिक पास पर 66.66% की छूट दी गई है। इसका अर्थ है कि छात्र केवल 33.33% शुल्क देकर पास प्राप्त कर सकते हैं। इस पहल में एसटी कर्मचारियों ने स्कूलों में जाकर 1 लाख 61 हजार 204 छात्रों को पास वितरित किए। इसी के साथ पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर योजना के अंतर्गत 12वीं तक की सभी छात्राओं को पूर्णतः निशुल्क पास प्रदान किए जा रहे हैं। अब तक 3 लाख 21 हजार 354 छात्राओं को उनके स्कूलों में जाकर ये पास वितरित किए गए हैं। पूर्व में छात्रों को एसटी पास के लिए बस डिपो या पास केंद्र पर लंबी कतारों में लगना पड़ता था।

पुल पार करते समय पानी में फंसे व्यक्ति को ग्रामीणों ने सुरक्षित निकाला बाहर

अमन लेखनी समाचार

विक्रमगड। शुक्रवार को सुबह करीब १०:१५ बजे तहसीलदार विक्रमगड के अनुसार, मौजे हातणे, गावठाण, तालुका विक्रमगड के निवासी पांडू काळू मोरे (उम्र ५० वर्ष) देहर्जे पुल पार करते समय पानी में फंस गए थे। इस घटना की जानकारी जैसे ही जिल्हा आपत्ती नियंत्रण कक्ष को मिली, तुरंत एनडीआरएफ की टीम को रवाना किया गया। तहसीलदार विक्रमगड द्वारा भेजे गए वीडियो में देखा गया कि जब तक टीम मौके पर पहुंचती, तब तक व्यक्ति बह सकता है। इसलिए, तत्काल स्थानीय लोगों की मदद लेने का निर्णय लिया गया। तहसीलदार मयूर चव्हाण के नेतृत्व में सुनिल गुणाजी घाटाळ, साईनाथ अनंता पांढरा, योगेश तुळशीराम भोईर, प्रविण गणार्धन पाटील, तथा तुषार सुधाकर पाटील ने मिलकर त्वरित और सफल बचाव कार्य किया। उनकी तत्परता और समन्वय से मोरे को सुरक्षित बाहर निकालने में सफलता मिली। इस प्रयास से क्षेत्र में आपदा प्रबंधन और स्थानीय सहायता के महत्व का पुनः प्रमाण मिला है।

पुलिस अधीक्षक ने रिजर्व पुलिस लाईन चुर्क में शुक्रवार परेड की ली सलामी, तत्पश्चात किया निरीक्षण

शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए लगवाई गयी दौड़।

यू0पी0-112 व थानों से आये वाहनों की गहनता से की गयी चेकिंग।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा जेटीसी/आरटी की ट्रेनिंग के सम्बन्ध में रिजर्व पुलिस लाईन चुर्क का किया निरीक्षण।

निरीक्षण के दौरान पुलिस बैरक, मेस व बाथरुम इत्यादि की साफ-सफाई हेतु दिए गए निर्देश

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। दिनांक 04.07.2025 को अशोक कुमार मीणा पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा पुलिस लाईन परेड ग्राउंड में साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी ली गई तथा परेड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के पश्चात शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहने के लिए परेड की दौड़ लगवाई। निरीक्षण के क्रम में महोदय द्वारा यू0पी0-112 व थानों से आये वाहनों की गहनता से चेकिंग की गयी तथा पीआरवी पर तैनात पुलिस कर्मियों से वाहनों में उपलब्ध दंगा नियंत्रण/सुरक्षा उपकरणों के सम्बंध में जानकारी लेते हुए उनकी चेकिंग की गयी । निरीक्षण के क्रम में पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा जेटीसी मेस, पुलिस बैरक, शौचालय, कम्युटर कक्ष, आरटीसी स्कूल इत्यादि का जायजा लिया गया और सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए व पुलिस लाइन परिसर का निरीक्षण कर साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने हेतु सम्बंधित को दिशा-निर्देश दिए ।

आजादी के 77 साल बाद अब भी सड़क का सपना अधूरा

बरखोरा गांव के भुईयां बस्ती में सड़क नहीं, बस्ती में एंबुलेंस भी नहीं पहुंच पाती

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र जिले के दुद्धी विकास खंड के बरखोहरा गांव की भुइया बस्ती आज भी सड़क के इंतजार में है। देश आजाद हो चुका है, सरकारें बदल चुकी हैं, लेकिन इस बस्ती तक आज तक सड़क नहीं पहुंची। ग्रामीणों का दर्द है कि उनके पूर्वज भी सड़क का सपना देखते-देखते दुनिया छोड़ गए और अब उनकी अगली पीढ़ी भी इसी पीड़ा को झेल रही है। छत्तीसगढ़ और झारखंड की सीमा से सटे इस गांव की स्थिति विकास से कोसों दूर है।

रास्ता न होने की वजह से चारपाई पर शव ले जाने को मजबूर

हाल ही में भुइया बस्ती की एक युवती ने अज्ञात कारणों से आत्महत्या कर ली थी। सड़क न होने के कारण गांव के लोग शव को चारपाई पर रखकर कीचड़ और पथरीले रास्तों से होते हुए गांव तक लाए। ग्रामीणों के लिए यह कोई नई बात नहीं है, वे सालों से इस दर्द को ढो रहे हैं।

बारिश में कीचड़ से चलना भी हो जाता है मुश्किल

बारिश के दिनों में हालात और भी भयावह हो गए है। चारों तरफ कीचड़, पानी से भरे गड्ढे और दलदल जैसे हालात बन जाते हैं। लोग किसी तरह फिसलते-गिरते पैदल ही रास्ता तय करने को मजबूर होते हैं। इस दुर्दशा की वजह से कई बार बाइक सवार गिरकर घायल हो चुके हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, बारिश के मौसम में दुर्घटनाएं आम हो जाती हैं।

एम्बुलेंस भी बस्ती तक नहीं पहुंच पाती,

बस्ती में सड़क न होने से अगर किसी की तबियत अचानक बिगड़ जाए या किसी गर्भवती महिला को अस्पताल ले जाना पड़े तो एम्बुलेंस गांव तक नहीं पहुंच सकती। ग्रामीणों को मरीज को खाट या चारपाई पर उठाकर 2 किलोमीटर पैदल चलकर मुख्य सड़क तक लाना पड़ता है। कई बार समय पर इलाज न मिलने की वजह से लोगों की जान भी जा चुकी है।

शिकायतों के बाद भी नहीं मिला समाधान

ग्रामीणों ने कई बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से सड़क बनवाने की गुहार लगाई है। हर बार आश्वासन मिला लेकिन काम आज तक नहीं हुआ। बरखोहरा गांव के प्रधान पति सूरजमल यादव बताते हैं कि कई पीढ़ियां बीत गईं लेकिन डेढ़ से दो किलोमीटर की सड़क आज तक नहीं बनी। अधिकारी और जनप्रतिनिधि सिर्फ कागजों पर दौड़ते रहे।

मिशन शक्ति टीम/एण्टीरोमियो टीम द्वारा महिलाओं/बालिकाओं को किया जागरूक

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाए जा रहे ह्यमिशन शक्ति फेज-5.0₹ के तहत आज दिनांक 04.07.2025 को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद के सभी थानों पर गठित मिशन शक्ति टीम/एण्टीरोमियो टीम व महिला पुलिस कर्मियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र में प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, कन्या सुमंगला योजना आदि तथा सहायतार्थ उपलब्ध कराये गये विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साईबर क्राईम हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

अनपरा पुलिस द्वारा साहसिक कार्य के लिए युवक को किया गया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। दिनांक 04.072025 को थाना अनपरा अंतर्गत ग्राम रेहटा में एक गाय के कुएं में गिर जाने की सूचना यूपी-112 पर प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही थाना अनपरा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किया गया। जेसीबी मशीन की सहायता से कुएं के पास खुदाई की जा रही थी, किंतु कुएं में उतरकर गाय को रस्सी से बांधने का साहस कोई नहीं कर पा रहा था। इसी बीच ग्राम रेहटा निवासी अनिल कुमार पुत्र बाबूलाल उम्र लगभग 22 वर्ष ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए स्वयं कुएं में उतरने का निर्णय लिया। उसने न केवल कुएं में उतरकर गाय को रस्सी से सुरक्षित बांधा, बल्कि उसकी मदद से गाय को सकुशल बाहर निकाल लिया गया। इस सराहनीय एवं साहसिक कार्य के लिए अनिल कुमार को थाना अनपरा में वस्त्र एवं नगद धनराशि प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा पुलिस विभाग द्वारा उसकी हौसला अफजाई की गई। जनहित में ऐसे युवाओं की भूमिका समाज के लिए प्रेरणादायक है।

अमन लेखनी (हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews @gmail.com

रोचक / शिखर चंद जैन

बच्चो, ब्रिज या फ्लाईओवर्स का निर्माण हमारे यातायात को सुगम बनाने के लिए किया जाता है। सड़क या रेलवे लाइन को पार करने के लिए भी फुटओवर ब्रिज बनाए जाते हैं। सिर्फ इंसान के लिए ही नहीं, कई देशों में इस तरह के ब्रिज वन्य जीवों के लिए भी बनाए गए हैं ताकि वे वाहनों से टकरा कर चोटिल ना हों, सुरक्षित रहें। जानो, इन अनूठे ब्रिजेस के बारे में।

वन्य जीवों के लिए अनूठे ग्रीन ब्रिज

क्रैब ब्रिज, क्रिसमस आइलैंड नेशनल पार्क ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया के क्रिसमस आइलैंड में हर साल बहुत बड़ी संख्या में रेड क्रैब समुद्र की तरफ माइग्रेशन के लिए निकल पड़ते हैं। रास्ते में कई बार वाहनों द्वारा कुचल कर सैकड़ों क्रैब्स यानी केकड़े अपनी जान गंवा देते हैं। इस स्थिति को ध्यान में रखकर वहां एक 16 फीट ऊंचा पुल बना दिया गया। अब व्यस्त सड़क के ऊपर से बिना किसी जोखिम के आसानी से ये क्रैब्स निकल जाते हैं। इतना ही नहीं, यहां 31 स्पेशल क्रैब अंडरपास और 65 मील लंबाई के प्लास्टिक बैरियर भी लगा दिए गए हैं। ताकि केकड़े इधर-उधर ना भटक कर पैसेज की तरफ से ही आगे बढ़ें और सुरक्षित रहें। *

नेचरबर्ग जैंडरीज क्रैलू नीदरलैंड

नीदरलैंड का नेचरबर्ग जैंडरीज क्रैलू दुनिया में सबसे लंबी वन्य जीव क्रॉसिंग है। बालू से बना हुआ यह कुदरती पुल, 2625 फीट लंबा और 164 फुट चौड़ा है। यह ब्रिज कई सड़कों, रेलवे लाइनों और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के ऊपर से गुजरता है। रोजाना इस ब्रिज का उपयोग हिरण, जंगली सुअरों सहित कई अन्य जीव-जंतु करते हैं। इस ब्रिज की सहायता से ये जंगलों तक बड़े आराम से पहुंच जाते हैं। नीदरलैंड में 600 से ज्यादा ऐसे ईकोडक्ट बनाए गए हैं। *

वाइल्डलाइफ ओवरपास बैनफ नेशनल पार्क कनाडा

कनाडा के अल्बर्टा में स्थित बैनफ नेशनल पार्क में हिरणों की कई प्रजातियां, बारासिंघा, भूरे भालू और कई छोटे-बड़े वन्य जंतु पाए जाते हैं। जब ये वन्य जंतु वहां के हाईवे को पार करके दूसरी तरफ जाते हैं, तब तेज गति से गुजरते वाहनों से इनके टकरा कर घायल होने का खतरा रहता है। इस खतरे को ध्यान में रखकर वहां के जागरूक नागरिकों और वन्यजीव अधिकारियों ने 1996 में ट्रांस कनाडा हाईवे पर 6 वन्य जीव फ्लाईओवर ब्रिज और 38 अंडर पासेस का निर्माण करवाया। इन पुलों के निर्माण के बाद सड़क दुर्घटना में मरने वाले जानवरों की संख्या में काफी कमी आई है। *

नट्टी नैरो ब्रिज, लॉन्ग व्यू अमेरिका

अमेरिका के वाशिंगटन के लॉन्ग व्यू में ओलंपिया वे पर बना यह एक पतला-सा एनिमल क्रॉसिंग ब्रिज है, जो मुख्य रूप से गिलहरियों के लिए बनाया गया है। इसकी चौड़ाई इतनी ही है कि गिलहरी जैसे छोटे जंतु इस पर मजे से चल सकें। अकसर गिलहरियां रोड क्रॉस करते हुए गाड़ियों के नीचे दब जाती थीं। 1963 में एक स्थानीय बिल्डर एमोस पीटर्स ने गिलहरियों को ट्रैफिक भरी सड़क से दूर रखने के उद्देश्य से इस नट्टी नैरो ब्रिज को बनवाया था। इसके बाद वाशिंगटन में जगह-जगह इस तरह के कई पुल बनाए गए। *

ए 556 ग्रीन ब्रिज यूके

यूनाइटेड किंगडम (यूके) में वन्य जीवों के सुरक्षित आवागमन के लिए बनाए गए पुलों को ग्रीन ब्रिज कहते हैं। इंग्लैंड के चेशायर में कई छोटे-बड़े जंतु रहते हैं। यहां 2018 में नूटसफोर्ड से बाऊडॉन बाईपास तक एक ग्रीन ब्रिज बनाया गया। इस ग्रीन ब्रिज का उपयोग वन्य जीवों के साथ यहां निवास करने वाले किसान और मजदूर भी करते हैं। *

ईकोलिंक सिंगापुर

सिंगापुर में बड़ी संख्या में वन्य जीव पाए जाते हैं। यहां सिटी सेंटर के बाहर स्थित रेनफॉरेस्ट नेचर रिजर्व, सड़क निर्माण के कारण दो हिस्सों में बंट गया था। इससे वन्य जीवों को विचरण करने में बहुत परेशानी होती थी। 2013 में इन्हें ईकोलिंक ओवरपास के माध्यम से जोड़ दिया गया। यह ईकोलिंक 8 लेन का है। दक्षिण पूर्वी एशिया में अपनी तरह का यह पहला ओवर पास है। *

ऐतिहासिक धरोहर / रजनी अरोड़ा

दुनिया की दूसरी सबसे लंबी दीवार

बच्चो, अगर तुमसे पूछा जाए कि दुनिया की सबसे लंबी दीवार कौन-सी है, कहां है? तो झट से तुम्हारा जवाब होगा-द ग्रेट वाल ऑफ चाइना। लेकिन क्या तुम्हें पता है चीन के बाद दुनिया की दूसरी सबसे लंबी दीवार कहां स्थित है, कौन-सी है? यह दीवार अपने देश भारत में है। राजस्थान राज्य में स्थित कुंभलगढ़ किले की दीवारों को दुनिया की दूसरी सबसे लंबी दीवार का दर्जा प्राप्त है।

यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट में है शामिल: राजस्थान के कुंभलगढ़ किले की दीवार 36 किलोमीटर लंबी है। इस दीवार को यूनेस्को ने दुनिया की दूसरी सबसे लंबी दीवार घोषित किया है। इसके अलावा यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज की लिस्ट में भी इस दीवार को शामिल किया गया है।

ऐतिहासिक महत्व: कुंभलगढ़ किले का निर्माण महाराणा कुंभा ने 15वीं शताब्दी में करवाया था। तुमने इतिहास की किताबों में शूरवीर नायक महाराणा प्रताप के बारे में पढ़ा होगा। महाराणा उदय सिंह के पुत्र महाराणा प्रताप का जन्म इसी कुंभलगढ़ के किले में हुआ था। यह किला कुंभलगढ़ की संकटकालीन राजधानी रहा है। मेवाड़ पर जब भी कोई बाहरी आक्रमण होता था, मेवाड़ का राज परिवार इसी किले में सुरक्षित रहता था। पन्ना धाय ने इसी किले में छिप कर महाराणा प्रताप के पिता उदय सिंह का पालन-पोषण किया था। हल्दी घाटी के युद्ध के बाद महाराणा प्रताप भी काफी समय तक इसी किले में रहे थे।

किले की विशेषताएं: उत्तर-पश्चिमी भारत की अरावली माउंटेन रेंज पर बना कुंभलगढ़ किला समुद्र तल से करीब 1,100 मीटर (3,600 फुट) ऊंचाई पर बना है। इसमें करीब 350 से ज्यादा प्राचीन जैन और हिंदू मंदिर हैं। ऐतिहासिक पृष्ठभूमि ही नहीं, अपने वास्तुशिल्प के लिहाज से भी यह किला बेजोड़ है। कई पहाड़ियों और घाटियों को मिलाकर बना यह किला बहुत ही अनोखा और मजबूत है। इस किले के ऊंचे स्थानों पर महल, मंदिर और घर बनाए गए हैं। समतल भूमि का उपयोग खेती के लिए और ढलान वाली जगहों पर जलाशय बनाए गए हैं। खुद महाराणा कुंभा ने इस किले का डिजाइन तैयार किया था। माना जाता है कि महाराणा कुंभा मजदूरों को प्रतिदिन करीब 50 किलो घी और 100 किलो रुई देते थे ताकि रोशनी जलाकर किले का काम रात को भी किया जा सके। इस किले के निर्माण में लगभग 15 वर्ष का समय लगा।

कुंभलगढ़ किले की दीवार अरावली की 13 पहाड़ियों तक फैली है, जो 36 किलोमीटर लंबी और 15 फुट चौड़ी है। इसमें 7 विशाल दरवाजे और वॉच-टॉवर हैं। यह दीवार इतनी चौड़ी है कि इस पर एक साथ दस घोड़े आसानी से दौड़ सकते हैं, मजबूत इतनी है कि कई आक्रमणकारी इसे तोड़ कर लांघ नहीं पाए। *

तुम्हारे लिए नई किताब / चंद्रप्रकाश

रोमांचक बाल-उपन्यास

पंजाबी भाषा में लिखे और पुरस्कृत 'पाताल दे गिठमुठिए' उपन्यास का हिंदी अनुवाद 'पाताल के बौने' हाल में छपकर आया है। इसकी कहानी 'स्मूलपुर' गांव से शुरू होती है। जहां पानी की कमी है और गांव वाले पानी की कमी दूर करने के लिए कुआं खोदते हैं। बच्चों के लिए भी यह काम कौतूहल जगाने वाला है। तभी गांव का एक आदमी गांव वालों को जमीन के नीचे रहने वाले बौनों को देखे जाने का एक मनगढ़ंत किस्सा सुनाता है। इसे सुनकर गांव का एक बच्चा निक्कू एक शाम उस नए बनते कुएं में लगी हुई सीढ़ी से बौनों को देखने नीचे उतर जाता है। तभी अचानक उसकी भेंट सचमुच एक छोटे से जीव से हो जाती है। अब निक्कू हैरान भी है और भौंचक भी कि वह अब क्या करे? लेकिन वह हिम्मत से उस नए जीव के साथ आगे बढ़ता जाता है। जमीन के नीचे एक अलग दुनिया दिखती है। अब निक्कू वहां किन मुसीबतों में पड़ता है? और उनसे फिर कैसे किसी जांबाज की तरह बच निकलता है? यह पूरी कहानी तुम इस बौनों के रोमांचकारी दुनिया में ले जाने वाली किताब में पढ़ सकते हो। *

किताब: पाताल के बौने (पंजाबी बाल-उपन्यास), **लेखक:** जसबीर भुल्लर, **अनुवाद:** जसबीर कौर, **मूल्य:** 150 रुपए, **प्रकाशक** : साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

हंसगुल्ले

रिया: आंखों के भाई को क्या कहते हैं?
सिया: मुझे नहीं पता, तुम बता दो।
रिया: आई'ब्रो'। -कोमल, हिसार

मोनू (समोसे वाले से): भैयाजी, 10 समोसे देना।
समोसे वाला: पैक करके देना है?
मोनू: नहीं, मैं पेन ड्राइव लाया हूं। उसमें समोसे नाम का फोल्डर बनाओ और डाल दो। -अनिकेत, सरगुजा

जीके क्विज-160

1. हाल ही में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचने वाले पहले भारतीय कौन बने हैं?
2. वूमेंस वन-डे वर्ल्ड कप चैंपियनशिप 2025 किन दो देशों में आयोजित किया जाएगा?
3. दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश कौन-सा है?
4. सत्यशोधक समाज की स्थापना किसने की थी?
5. इडुक्की वन्यजीव अभयारण्य किस राज्य में स्थित है?
6. पृथ्वी का एकमात्र प्राकृतिक उपग्रह कौन-सा है?
7. भारत के किस प्रदेश को पहले 'नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी' के नाम से जाना जाता था?
8. भारत रत्न से सम्मानित बिस्मिल्लाह खान का संबंध किस वाद्य यंत्र से था?
9. किस भारतीय खिलाड़ी को 'हॉकी का जादूगर' के नाम से भी जाना जाता है?
10. आंवला में कौन-सा विटामिन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है?

बच्चो, जीके क्विज-160 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे।

जीके क्विज-159 का उत्तर : 1.स्मृति मंधाना, 2.साइप्रस, 3.बंडारू दत्तात्रेय, 4.मध्य प्रदेश, 5.लैक्टोमीटर, 6.साहित्य, 7. 11 जुलाई, 8.महात्मा गांधी, 9.जगन्नाथ मंदिर, 10.हिंद महासागर

जीके क्विज-159 का सही उत्तर देने वाले : सौम्या-जांजगीर, स्वप्निल-जांजगीर, सौरभ-बिलासपुर, कबीर-हिसार, नीटू-रायगढ़, राम-सीतापुर, गोविंद-रायपुर, तान्या-भोपाल, कमल-महासमुंद, राम-राजनांदगांव, हर्ष-बालोद

कहानी
क्षमा शर्मा

अजीब बच्चा था अंतरिक्ष, जहां बच्चे विशालकाय डायनासोर, सांप-बिच्छू और छिपकलियों से डरते हैं, वहीं अंतरिक्ष मजे से इनके खिलौनों से खेलता था। लेकिन नन्हा अंतरिक्ष जब स्कूल जाने लगा तो उसके दादा जी ने खतरनाक जंतुओं वाले खिलौने से दूर रहने को कहा। ऐसा उन्होंने क्यों कहा...?

अंतरिक्ष का स्कूल

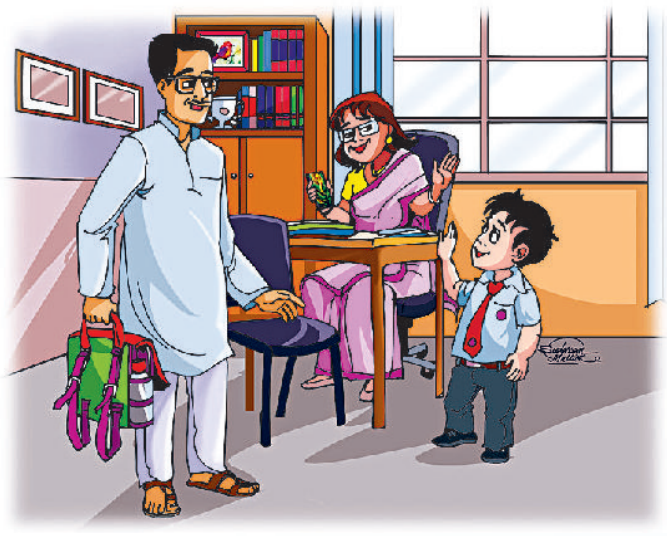

अंतरिक्ष ने स्कूल जाना शुरू किया था। जब भी उसकी मम्मी उठातीं, वह खूब-रोता, 'नहीं जाना स्कूल, नहीं जाना है..', कहकर बिस्तर में लेटे रहने की कोशिश करता। मम्मी उसे गोद में उठाकर लातीं, मुंह धुलवातीं, ब्रश करातीं, नहलातीं। स्कूल ड्रेस पहनातीं। थोड़ी ही देर में वह उसका नाश्ता टेबल पर लगा देतीं। कहतीं, 'मेरा राजा बेटा तो बहुत अच्छा है। वह तो बिल्कुल भी जिद नहीं करता।' तभी उसकी देखभाल करने वाली डेल्सी आंटी उसके लिए गरम दूध ले आतीं। अंतरिक्ष दूध पीने में भी बहुत मान-मनौव्वल कराता। जब डेल्सी उसे दूध पिलाने की कोशिश करतीं, तो वह जिद करता, 'नहीं मम्मी से..।' और जब मम्मी उसे दूध पिलाने की कोशिश करतीं तो वह डेल्सी को बुलाता। कभी-कभी मम्मी नाराज होतीं, कहतीं, 'अंतरिक्ष, क्यों सबेरे-सबेरे परेशान करके टाइम खराब करते हो।' लेकिन अंतरिक्ष वही करता, जो उसके मन में होता। दूध भी ऐसे पीता कि मुंह पर दोनों तरफ दूध की सफेद मूंछें बन जातीं। यह देख पापा कहते, 'अरे, हमारा बेटू तो दादा जी जैसा बन गया।'

अंतरिक्ष की दादा जी जैसी सफेद मूंछें! वह दौड़ कर शीशे में जाकर देखता और हंसता। इस तरह उसका रोना रुक जाता। मम्मी उसके बस्ते में लंच बॉक्स और जरूरी चीजें रखतीं। पापा उसके जूते पॉलिश करते, मम्मी उसे पहनातीं। फिर पापा बाहर जाकर गाड़ी निकालते और हॉर्न बजाते। इसका मतलब होता-अंतरिक्ष, जल्दी से बाहर आ जाओ। टाइम हो गया। वह दौड़ने को होता कि मम्मी बाहर तक उसे नाश्ता खिलाती जातीं। उन्हें पता था कि वह नाश्ता करने में भी, दूध पीने की तरह कितने नखरे दिखाता है, मौका मिलते ही छोड़कर भाग जाता है।

अंतरिक्ष को डायनासोर, सांप, बिच्छू और छिपकलियां बहुत पसंद थीं। उसके बर्थ-डे पर उसके दोस्तों ने चिड़िया से लेकर रियल डॉगी के साइज के बराबर तक के डायनासोर वाले खिलौने दिए थे। हालत यह थी कि अंतरिक्ष की मम्मी छिपकली को देखकर डर से कांपने लगती थीं, और अंतरिक्ष था कि इन खिलौनों को अपने साथ लेकर सोता। स्कूल भी अपने इन्हीं खिलौनों में से किसी एक को साथ ले जाता। पूरे स्कूल में वह डायनासोर वाले अंतरिक्ष के नाम से मशहूर था। उसकी टीचर्स और प्रिंसिपल भी इस बारे में जानती थीं।

आज सवेरे जब अंतरिक्ष पापा के साथ स्कूल पहुंचा, तो उसकी सभी टीचर्स बाहर ही खड़ी थीं। हर रोज ऐसा ही होता था। टीचर्स सवेरे बाहर आकर बच्चों का स्वागत करतीं, हाल-चाल पूछतीं। उनसे हंसी-मजाक करतीं। अंतरिक्ष पापा के साथ आगे बढ़ा था कि प्रिंसिपल मैम ने उसे पुकारा, 'अंतरिक्ष, जरा रुको।' अंतरिक्ष और पापा रुक गए। प्रिंसिपल मैम उसके पास आईं और बोलीं, 'अंतरिक्ष, जरा मेरे साथ तो आओ।' कहती हुई वह अपने कमरे की तरफ बढ़ीं। अंतरिक्ष भी पापा के साथ उनके पीछे आया। वह कुर्सी पर बैठ गईं। फिर अंतरिक्ष को गोद में लेकर अपने मोबाइल पर कुछ पिक्चर्स दिखाने लगीं। पेड़ों की, फूलों की, झरने की, नाव की। साथ में बताती भी जा रही थीं, 'पता है कल मैं अपनी साइकिल से दूर जंगल में सैर करने गई थी। यह देखो सारे पेड़ों, फूलों और तितलियों के पिक्चर्स वहीं के हैं। और तुम्हारा बर्थ-डे गिफ्ट भी है।' कहते हुए मैम ने एक पिक्चर को एनलार्ज कर दिया। हरे रंग का बड़ा-सा पेड़ और उसके नीचे फन उठाए एक काला नाग दिखा। मैम ने बताया, 'कल जब मैं जा रही थी, तो अचानक मुझे यह सांप दिखा। मैंने फौरन तुम्हारे लिए इसका फोटो खींच लिया। पसंद आया बर्थ-डे गिफ्ट।'

यह सुनकर अंतरिक्ष और पापा दोनों मुस्कराए तो मैम आगे बोलीं, 'मैं तुम्हारे बर्थ-डे पर नहीं आ पाई थी न, अब इस फोटो को मैं तुम्हारी मम्मी को व्हाट्सएप मैसेज कर दूंगी।' फिर प्रिंसिपल मैम पापा से बोलीं, 'ऐसा बच्चा मैंने पहली बार देखा है, जो सांप, छिपकलियों और अन्य रेप्टाइल्स को इतना पसंद करता है। वरना तो बच्चे इनसे बहुत डरते हैं।'

पापा ने कहा, 'हां मैम, लेकिन अब हम ऐसे खिलौनों से इसे दूर करने की कोशिश कर रहे हैं। मेरे पापा मतलब इसके दादा जी, कहते हैं कि कहीं ऐसा न हो कि कभी रियल सांप या छिपकली को खिलौना समझकर पकड़ने दौड़े। इसलिए इन चीजों से इसका ध्यान हटाना जरूरी है।'

'अरे हां, यह बात तो मैंने सोची ही नहीं। चलिए, मैं भी इस सांप की पिक्चर इसकी मम्मी को व्हाट्सएप नहीं करूंगी। ओके थैंक्स।' मैम तुरंत बोलीं।

अंतरिक्ष, पापा को देखकर मुस्कराया और जोर से बोला, 'थैंक्यू मैम।' फिर वह पापा के साथ अपनी क्लास की ओर बढ़ गया। रास्ते में ढेर सारी तितलियां उसके पास से गुजरीं। उसने उन्हें पकड़ने की कोशिश नहीं की। उसे याद आया, दादी मना करती हैं न। कहती हैं, 'मर जाएंगी बेचारी!' *

कविता
शादाब आलम

बढ़िया आम

पापा, लाना बड़े-बड़े से बढ़िया आम!
हंसते-हंसते कहे चकोरी
ये लो बीस किलो की बोरी
दफ्तर से निबटा कर अपने सारे काम!
पापा, लाना बड़े-बड़े से बढ़िया आम!
मुझको केक नहीं है खाना
चॉकलेट बिल्कुल मत लाना
मत लाना बर्फी, रसगुल्ला, कालाजाम!
पापा, लाना बड़े-बड़े से बढ़िया आम!
एक गाय अकसर आती है
आम शौक से वो खाती है
मैंने जोड़ा हिस्से में उसका भी नाम!
पापा, लाना बड़े-बड़े से बढ़िया आम!
आमों का मौसम है जब तक
कम खाऊंगी खाना तब तक
पेट भरूंगी आमों से ही सुबहो-शाम!
पापा, लाना बड़े-बड़े से बढ़िया आम!

अंतर बताओ

बच्चो, यहां पेपर-क्राफ्ट बना रहे बच्चे के एक जैसे दिखने वाले दो चित्र दिए गए हैं। इन चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम्हें ये सारे अंतर खोजने हैं, तो देर किस बात की, फटाफट तीन मिनट में सारे अंतर खोजकर बताओ।

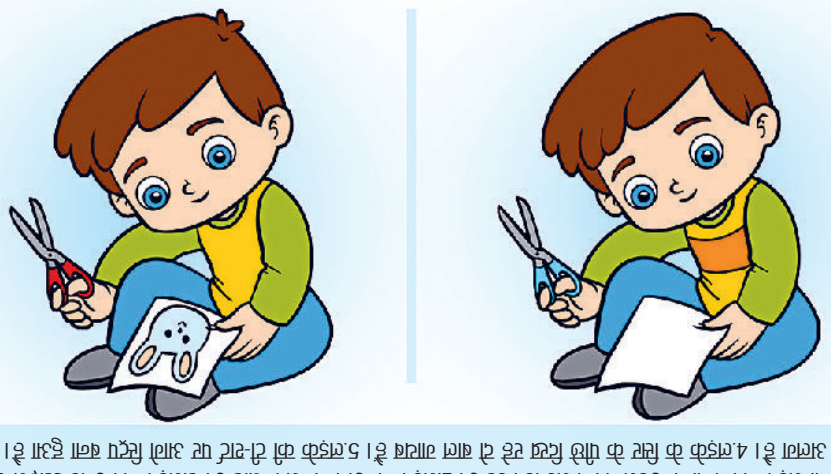

उत्तर : 1. लड़के की कैंची के हैंडल का कलर डिफरेंट है। 2.लड़के के हाथ में ब्लैंक शीट है। 3.लड़के की हेयर स्टाइल आगे से अलग है। 4.लड़के के सिर के पीछे दिख रहे दो बाल गायब है। 5.लड़के की टी-शर्ट पर आगे स्ट्रिप बना हुआ है।

रास्ता खोजो

बच्चो, इस चित्र में एक खरगोश है, जिसे गाजर खाना है। लेकिन उसे गाजर के साथ और भी चीजें रखी दिखाई दे रही हैं। खरगोश को समझ में नहीं आ रहा है वह किस रास्ते से जाए कि उसे गाजर खाने को मिल जाए। खरगोश को गाजर तक पहुंचने में मदद तो करो।